■ भाद्रपद शुक्ल - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 42 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 04-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

॥ वंदे श्री ऋषभं वीरं ॥

SEVA • KNOWLEDGE • ECONOMIC EMPOWERMENT — JITO

## भव्य उद्घाटन समारोह

JITO CONNECT

JITO LADIES | JITO KKG ZONE | JITO BENGALURU NORTH

Title Sponsor: NIRMAL JEWELLERS SANJAYNAGAR

# JITO Zewar Expo & The Bridal STORY —By JITO

Grace | Glamour | Gharana

**A Celebration of Timeless Jewellery & Bridal Extravaganza**

Food Sponsor: S.K.Jewels Temple & Traditional Jewellery BENGALURU

Co-Sponsor: Nplus Genuine Parts | COOL COLORS CASUALS

Associate Sponsor: Peetex

Powered by: DRESSCODE

Associate Sponsor: Happilo | Krafters by Sharp Ply

Media Partner: NEWS 1

Logistic Partner: SEQUEL Securing Your Trust

| 100 से अधिक प्रदर्शक | 5th, 6th & 7th September 2025 | स्थलः त्रिपुरावासिनी, गेट नं. 2 पैलेस ग्राऊंडस्, बेंगलोर | 10.00 AM Onwards निःशुल्क प्रवेश |
|---|---|---|---|

## उद्घाटन दिवसः शुक्रवार दि. 5-9-2025

### सुबह 9-30 बजे: भव्य उद्घाटन समारोह

**उद्घाटनकर्ता**
श्री डी.के. शिवकुमार
उपमुख्यमंत्री कर्नाटक सरकार

**मुख्य अतिथि**
श्री लहर सिंह सिरोया
राज्यसभा सदस्य

**गरिमामय उपस्थिति**

श्री दिनेश गुंडुरॉव
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री
कर्नाटक सरकार

श्री पी.सी. मोहन
माननीय सांसद
बेंगलोर सेन्ट्रल

श्री प्रिया कृष्णा
माननीय विधायक
गोविंदराजनगर, बेंगलोर

शून्य से शिखर तक 2.0
JOURNEY TO SUCCESS...

**Shri Prithviraj Ji Kothari**
Chairman RSBL , Mumbai
The Bullion King
Speaking about his
Life Journey

सायं: 5-30 बजे से नेटवर्किंग एवं भोजन
सायं 6-30 बजे से शून्य से शिखर तक सत्र का शुभारंभ

### गरिमामय उपस्थिति - टीम जीतो अपेक्स

पृथ्वीराज कोठारी — चेयरमैन
हिमांशु जे. शाह — वाईस - चेयरमैन
विजय बी. भंडारी — प्रेसिडेंट
कमलेश आर. सोजतिया — वाईस प्रेसिडेंट
नरेन्द्र श्रीश्रीमाल — वाईस प्रेसिडेंट
ललितकुमार डांगी — सेक्रेटरी जनरल
श्रीपाल बच्छावत — सेक्रेटरी
संपतराज चपलोत — कोषाध्यक्ष
डी.के. जैन — सह कोषाध्यक्ष
महावीर चपलोत — सेक्रेटरी
नरेन्द्र सामर — स्पेशल इनवाईटी
रमेशकुमार हरण — चेयरमैन श्रमण आरोग्यम्
भेरुमल भंडारी — डायरेक्टर
प्रियंका परमार — डायरेक्टर
प्रवीण बाफना — डायरेक्टर - चेयरमैन केकेजी झोन
प्रवीण शाह — डायरेक्टर
सोनाली दुगड़ — डायरेक्टर
शैलेश हरण — डायरेक्टर

### विशिष्ट अतिथि गण

बी. रमेशचंद बोहरा — वाईस चेयरमैन - जेएटीएफ
पारस चौवटिया — वाईस प्रेसिडेंट - श्रमण आरोग्यम
कैलाश गुलेच्छा — चेयरमैन - जेबीएन
अजय बी. जैन — चीफ सेक्रेटरी-जेबीएन
शीतल दुगड़ — चेरपर्सन-JLW
रीतु चोरडिया — चीफ सेक्रेटरी-JLW
रजत एम.हरडी — चेयरमेन-JYW
निकुंज पी. ओसवाल — चीफ सेक्रेटरी-JYW
दिलीप जैन — चीफ सेक्रेटरी-केकेजी झोन
ओमप्रकाश जैन — कोषाध्यक्ष-केकेजी झोन

### भूतपूर्व चेयरमैन जीतो बेंगलोर

तेजराज गुलेच्छा — पास्ट चेयरमेन - जीतो अपेक्स
प्रकाशचंद सिंघवी — पास्ट वाईस चेयरमेन - जीतो अपेक्स
राजेन्द्र गाँधी — पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर
पारस जैन (भंडारी) — पास्ट वाईस प्रेसिडेंट- जीतो अपेक्स
श्रीपाल खिंवेसरा — पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर
अशोक एस. नागोरी — पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर
किरण गाला — पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर प्लस
बी. इंदरचंद बोहरा — पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर नोर्थ
दिनेश बोहरा — पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर साउथ

### जीतो बेंगलूरु नोर्थ चैप्टर फाऊंडेशन

विमल कटारिया — चेरयमैन
कमल पुनमिया — वाईस चेरयमैन
दिनेश बाफना — वाईस चेरयमैन
विजय सिंघवी — चीफ सेक्रेटरी
अशोक जी. भंडारी — सेक्रेटरी
मदन बी. जैन — सेक्रेटरी
पंकज एस. बालर — सेक्रेटरी
प्रितेश जैन — सेक्रेटरी
नरेन्द्र आच्छा — कोषाध्यक्ष
किशोर कर्णावट — सह कोषाध्यक्ष

अरुणकुमार नाहर, अरविंदकुमार टपरावत, बी. रमेशचंद बोहरा, दिनेशकुमार खिंवेसरा, दिनेश लोढा, नेमीचंद दलाल, नितेशकुमार गांधी, प्रमीत जे. बाफना, प्रवीणकुमार चौहान
रमेशचंद बी. दक, राकेश पोखरना, सतिश पोरवाड़, शेखर जैन, सिद्धार्थ पटवा, सुनिलकुमार डी., संजय पित्तलिया, सुनिलकुमार लोढा, सुरेशकुमार गन्ना, विनोद नंदावत

### जीतो बेंगलूरु नोर्थ लेडीज विंग

लक्ष्मी बाफना — चेरपर्सन
सुमन सिंघवी — वाईस चेरपर्सन
सुमन वेदमुथा — वाईस चेरपर्सन
रक्षा छाजेड़ — चीफ सेक्रेटरी
मीना बड़ेरा — जाईंट सेक्रेटरी
सुमन रांका — जाईंट सेक्रेटरी
तनुजा मेहता — ट्रेजरर

अलका लोढा, बिंदु नाहर, लेखा गाँधी, मोना आंचलिया, नंदा बाफना, नेहा भंडारी, नीता गादिया, प्रेमा रांका, पुष्पा जैन, साधना धोका, संगीता मुथा, संगीता नागोरी, साक्षी जैन, स्वीटी नाहर

**जीतो झेवर एक्सपो संयोजकः** सुरेशकुमार गन्ना (संयोजक) | प्रवीण गन्ना (सह संयोजक) | संजीव गन्ना (सह संयोजक)

**दी ब्रैडल स्टोरी संयोजिकाः** सुमन सिंघवी (संयोजिका) | बिंदु नाहर (सह संयोजिका)

# जीतो बेंगलोर नोर्थ चैप्टर फाऊंडेशन

# 85, 1st Floor, 59th Cross, 4th Block, Rajajinagar, Bangalore - 560010, Mob: 99025 69865, E-mail: bangalorenorth@jito.org, Website: jitobangalorenorth.org

Open for all

## सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व कार्मिक औकुटा द्वारा बुधवार को बेंगलूरु स्काउट एंड गाइड कोंडपा बसप्पा ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए कीर्तननाथ स्वामी, गंडसी सदानंद स्वामी एवं अन्य।

# जम्मू कश्मीर में मूसलाधार बारिश, मकान ढहने से दो लोगों की मौत, प्रमुख सड़कें बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जम्मू/श्रीनगर/भाषा।** समूचे जम्मू कश्मीर में बुधवार को भारी बारिश के कारण वर्षा जनित घटना में एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई, जबकि बाढ़ग्रस्त अखनूर के एक गांव में 40 लोग फंस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अनंतनाग जिले में पुलिस ने भारी बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने से एक पुल के नीचे फंसे 25 बंजारा परिवारों को बचाया। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण नदियों, नालों और छोटी नदियों में जलस्तर बढ़ गया है जो पहले से ही खतरे के निशान के करीब या उससे ऊपर बह रही हैं, जबकि उधमपुर और बनिहाल के बीच कई जगह भूस्खलन होने के कारण सभी मौसम में खुली रहने वाले श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग सहित प्रमुख सड़कें दूसरे दिन भी बंद रहीं। खराब मौसम के कारण घाटी और जम्मू क्षेत्र में शिक्षण संस्थान बंद रहे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मुख्यमंत्री ने स्थिति का आकलन करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। अब्दुल्ला ने प्रशासन को जमीनी कार्रवाई तेज करने, जलजमाव वाले इलाकों से लोगों को निकालने, जरूरी सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, संवेदनशील इलाकों से समय पर लोगों की निकासी और तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार तड़के राजौरी जिले के सुंदरबनी के कांगड़ी गांव में बारिश के कारण एक कच्चा मकान ढह जाने से मां-बेटी की मौत हो गई। दोनों के शव मलबे से निकाले गए और पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि चेनाब नदी में उफान के कारण अखनूर के गरखल गांव में कम से कम 40 लोग फंस गए हैं। चेनाब नदी आज सुबह निकासी स्तर 42 फुट से चार फुट ऊपर बह रही थी। उन्होंने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और पुलिस की टीम लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए गांव पहुंच गई हैं। पिछले 24 घंटों से हो रही भारी बारिश के कारण पुलवामा, शोपियां और कुलगाम समेत दक्षिण कश्मीर के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। अनंतनाग जिला पुलिस के एक प्रवक्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अनंतनाग पुलिस ने आंग अंजवाला में तेजी से बचाव अभियान चलाया और लिद्दर नाले में अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण फंसे 25 बंजारा परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने कहा कि बचाए गए परिवारों को तत्काल राहत प्रदान की गई।

अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी कुलगाम जिले में मंगलवार रात वैशोव नाले में जलस्तर बढ़ने के बाद पुलिस ने ब्राजलू गांव से पांच बंजारा परिवारों को बचाया। दक्षिण कश्मीर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जलाशयों में जलस्तर काफी बढ़ने के बीच वहां आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की गई हैं।

## अमरावती सबसे सुरक्षित राजधानी, कुछ लोग जानबूझकर इसकी छवि खराब कर रहे हैं : आंध्र प्रदेश के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अमरावती/भाषा।** आंध्र प्रदेश के नगरपालिका मंत्री पी. नारायण ने बुधवार को कहा कि अमरावती ''सबसे सुरक्षित राजधानी'' है, लेकिन कुछ लोग कथित तौर पर जानबूझकर इसे 'बदनाम' कर रहे हैं।

नारायण ने कहा कि अमरावती आकर देखने पर ही उन्हें पता चलेगा। यहां 360 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़कें, 1,500 किलोमीटर लंबी लेआउट सड़कें, 4,000 आवासीय इमारतें और प्रतिष्ठित संरचनाओं का निर्माण तेज़ी से किया जा रहा है।

उन्होंने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, अमरावती सबसे सुरक्षित राजधानी है। कुछ लोग जानबूझकर इसे बदनाम कर रहे हैं, झूठा प्रचार कर रहे हैं कि वहां कोई काम नहीं हो रहा है, सिर्फ़ ग्राफिक्स दिखाए जा रहे हैं, लेकिन जनता उन्हें माफ नहीं करेगी।

मंत्री ने कहा कि हरी-भरी राजधानी शहर बाढ़ से बच सके, इसके लिए डच विशेषज्ञों ने डिज़ाइन तैयार किए हैं। साथ ही जलभराव रोकने के लिए नहरें और जलाशय बनाए जा रहे हैं। नारायण के अनुसार, अमरावती में 13,000 कर्मचारी और मजदूर 2,500 मशीनों की मदद से लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 27 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में बन रहे 1,440 आवासों सहित कई परियोजनाएं अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

## यमुना बाढ़: दिल्ली के निचले इलाकों में रहने वालों को सामना करना पड़ रहा है कई समस्याओं का

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रीय राजधानी यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण दिल्ली के निचले इलाकों की सड़कों और बाजार में पानी भर गया जिससे इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और दुकानदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मजनू का टीला, मदनपुर खादर और बदरपुर के निवासी यमुनाजल स्तर बढ़ने के कारण अब अस्थाई आश्रय स्थलों में रह रहे हैं। यमुना का जलस्तर बुधवार को दोपहर एक बजे 207 मीटर दर्ज किया गया। प्राधिकारियों ने निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया और लोहे के रेलवे पुल को यातायात के लिए बंद कर दिया। प्रभावित हुए इन परिवारों के लिए असली चुनौती तब शुरू होगी जब नदी का जलस्तर कम होना शुरू होगा क्योंकि उन्हें अपने जीवन को पटरी पर लाने के लिए नए सिरे से संघर्ष करना पड़ेगा। बाजार में पानी भरने के कारण सन्नाटा छा गया। दुकानदार अनुप थापा ने कहा, हमने दुकान से ज्यादातर सामान हटा लिया लेकिन कुछ सामान खराब हो गया। पानी निकलने के बाद दुकान की मरम्मत करनी होगी जिसकी कीमत हमें चुकानी पड़ेगी। थापा पत्नी और तीन साल की बेटी के साथ सड़क किनारे शिविर में रह रहे हैं। उन्होंने बाढ़ के पानी के ऊपर बिजली के लटकते तारों को चिन्हित करते हुए कहा, यह 2023 के बाद दूसरी बार है। मैं सरकार से सड़कों को साफ करने और क्षेत्र को ठीक कराने का आग्रह करता हूं ताकि ऐसी घटनाएं फिर न हों। मदनपुर खादर में झुग्गी में रहने वाले परिवार अब पुराने प्लास्टिक शीट के तम्बू में रह रहे हैं। एक निवासी तायरा ने कहा, हमारा ज्यादातर सामान अंदर है। हम बड़ी मुश्किल से कुछ चीजें निकाल पा रहे। महिलाएं कई समस्याओं का सामना कर रही हैं क्योंकि शौचालय नहीं हैं।

## इंदौर के सरकारी अस्पताल में चूहों के हमले के बाद दूसरी नवजात लड़की की भी मौत

**इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा।** इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में चूहों के हमले की शिकार दूसरी नवजात बच्ची ने बुधवार को दम तोड़ दिया जिसके बाद अस्पताल प्रशासन ने दावा किया कि उसकी जान सेप्टिसीमिया (रक्त विषाक्तता या रक्त संक्रमण) के कारण गई। एमवायएच के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एमवायएच के उपाधीक्षक डॉ. जितेंद्र वर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि हाल ही में चूहों के हमले के कारण एक नवजात बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि महज 1.60 किलोग्राम वजन वाली यह बच्ची अलग-अलग जन्मजात विकृतियों से जूझ रही थी, जिनमें आंतों की विकृति भी शामिल थी। वर्मा ने बताया कि एमवायएच में सात दिन पहले इस बच्ची का ऑपरेशन किया गया था और 'सेप्टिसीमिया' के कारण उसकी हालत गंभीर थी। उन्होंने कहा कि बच्ची की मृत्यु 'सेप्टिसीमिया' के कारण हुई है।वर्मा ने कहा कि बच्ची के परिजनों की इच्छा के मुताबिक उसके शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है और शव उन्हें सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि बच्ची को चूहों ने उसके बायें हाथ की दो अंगुलियों पर काटा था जिससे उसे 'हल्की खरोंच' आई थी। इससे पहले, एमवायएच में चूहों के हमले की शिकार एक अन्य बच्ची की मंगलवार को मौत हो गई थी। एमवायएच के अधिकारियों ने कहा कि यह बच्ची भी अलग-अलग जन्मजात विकृतियों से जूझ रही थी। एमवायएच प्रशासन का दावा है कि इस बच्ची की मौत 'निमोनिया के संक्रमण' से हुई। चूहों के हमले की शिकार दोनों बच्चियां नवजात बच्चों की सर्जरी से जुड़े विभाग की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती थीं। अधिकारियों ने बताया कि नवजात बच्चों के शरीर को चूहों के कुतरे जाने की घटना की शुरुआती जांच के आधार पर मंगलवार को एमवायएच के दो नर्सिंग अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था और अस्पताल की नर्सिंग अधीक्षक को पद से हटा दिया गया था। उन्होंने बताया कि एमवायएच की साफ-सफाई, सुरक्षा और कीट नियंत्रण के काम के ठेके से जुड़ी एक निजी फर्म को चेतावनी पत्र जारी करते हुए उस पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया था। एमवायएच में नवजात बच्चों पर चूहों के हमले का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले, वर्ष 2021 में इस सरकारी अस्पताल की नर्सरी (वह स्थान जहां नवजात बच्चों को देख-भाल के लिए रखा जाता है) में चूहों ने एक बच्चे की एड़ी कुतर दी थी।

## जियो ने 9वीं वर्षगांठ पर मुफ्त असीमित डेटा की पेशकश की, 50 करोड़ ग्राहकों का आंकड़ा किया पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** देश की प्रमुख दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने अपनी 9वीं वर्षगांठ के मौके पर सभी ग्राहकों के लिए फ्री असीमित डेटा पेशकश की शुरुआत की है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि यह पेशकश मौजूदा प्लान के आधार पर अलग-अलग अवधि के लिए उपलब्ध होगी।

एक आधिकारिक बयान में कंपनी ने कहा कि 349 रुपए या उससे अधिक मूल्य वाले प्लान के ग्राहकों को पांच सितंबर से पांच अक्टूबर तक एक महीने के लिए असीमित डेटा मिलेगा। इसके साथ ही इस पेशकश में मनोरंजन और अन्य ऐप की सब्सक्रिप्शन भी शामिल होगी। वर्तमान में जियो केवल 349 रुपए या उससे अधिक कीमत वाले प्लान वाले 5जी स्मार्टफोन ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा प्रदान करती है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने इस अवसर पर कहा, जियो की 9वीं वर्षगांठ पर मुझे गर्व है कि 50 करोड़ से अधिक भारतीयों ने हम पर भरोसा जताया है। एक ही देश में इस पैमाने तक पहुंचना दर्शाता है कि जियो रोजमर्रा की जिंदगी का कितना गहरा हिस्सा बन चुकी है। मैं इस मील के पत्थर को संभव बनाने के लिए हर एक जियो उपयोगकर्ता का व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद करना चाहता हूं। इसके अलावा, जियो ने उन ग्राहकों के लिए भी अच्छी खबर दी है जिन्होंने लगातार 12 महीने 349 रुपए के प्लान का रिचार्ज किया है। ऐसे ग्राहकों को 13वें महीने की सेवा मुफ्त दी जाएगी।

## सरदार सरोवर बांध का जलस्तर कुल क्षमता से 3.3 मीटर कम, जल भंडारण बढ़कर 89 प्रतिशत हुआ

**एकता नगर (गुजरात)/भाषा।** नर्मदा नदी से हाल के हफ्तों में आए जल प्रवाह के कारण गुजरात के सरदार सरोवर बांध में बुधवार को जलस्तर बढ़कर 135.38 मीटर तक पहुंच गया, जो कि इसकी पूर्ण क्षमता से 3.3 मीटर कम है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि नर्मदा जिले में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास स्थित बांध में जल संग्रहण इसकी कुल क्षमता का 89 प्रतिशत हो चुका है। बांध में वर्तमान में 1.18 लाख क्यूसेक (घन फीट प्रति सेकंड) पानी आ रहा है। इसका पूर्ण जलाशय स्तर 138.68 मीटर है।

एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बांध के 30 में से 10 द्वारों से 95,111 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है जबकि नर्मदा नहर में 23,021 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि अगले 24 घंटों में जलाशय का जल स्तर बढ़ जाएगा

## जम्मू में बीएसएफ के हेलीकॉप्टर ने बाढ़ग्रस्त गांव में फंसे 45 ग्रामीणों को बचाया

**जम्मू/भाषा।** सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को एक साहसिक अभियान के तहत अपने हेलीकॉप्टर की मदद से अखनूर सेक्टर के बाढ़ग्रस्त गांव में फंसे 45 नागरिकों को बाहर निकाला। इन नागरिकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के दल चेनाब नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण गर्खल क्षेत्र के फथू कोटली गांव की बाढ़ग्रस्त आबादी को वहां से नहीं हटा पाये, जिसके बाद बीएसएफ ने बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आज सुबह सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे कि बाढ़ का पानी गांव में घुस गया है और 45 लोग फंस गए हैं।

## महिला एसपी पर 'अपमानजनक' टिप्पणी करने पर भाजपा विधायक के खिलाफ मामला दर्ज

**दावणगेरे।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बी पी हरीश द्वारा भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की महिला अधिकारी पर 'अपमानजनक' टिप्पणी करने के आरोप में बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। हरीहर से विधायक ने प्रेस वार्ता में दावणगेरे पुलिस अधीक्षक (एसपी) उमा प्रशांत की तुलना गेट पर इंतजार कर रहे पालतू कुत्ते से की थी और उमा पर सरकारी बैठकों और कार्यक्रमों में उनका (विधायक) सम्मान न करने का आरोप लगाया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसपी की शिकायत के बाद विधायक के खिलाफ केटीजे नगर पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 351 (2) (आपराधिक धमकी) और 79 (किसी महिला के शील का अपमान करने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मंगलवार को भाजपा विधायक ने कहा, आप देखें कि एसपी कैसे व्यवहार करती हैं। एक विधायक के रूप में अगर मैं बैठक में जाता हूं, तो वह मुझे सही तरीके से स्वीकार नहीं करती, लेकिन शमनूर परिवार (वरिष्ठ कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा, उनके मंत्री पुत्र एसएस मल्लिकार्जुन और बहू एवं सांसद प्रभा मल्लिकार्जुन) के लिए वह उनके घर के गेट पर एक घंटे इंतजार करती हैं, जैसे उनके घर का पालतू कुत्ता व्यवहार करता है।

## रेवंत रेड्डी ने कविता के आरोपों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता द्वारा पार्टी विधायक टी. हरीश राव के साथ ''गुप्त समझौते'' के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें ''ऐसे गंदे लोगों के साथ शामिल होने की आवश्यकता नहीं है।

रेड्डी ने कहा कि उन्हें ''बीआरएस के पारिवारिक विवादों में नहीं घसीटा जाना चाहिए। उन्होंने अपने गृह जिले महबूबनगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीआरएस (पार्टी का नाम लिए बिना) पर ''ऐसा माहौल बनाने का आरोप लगाया, जिसमें प्रतिद्वंद्वी पार्टियां टिक नहीं सकेंगी। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया, विधायक बनने की आकांक्षा रखने वाले राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए।

बीआरएस के भीतर पारिवारिक विवादों पर परोक्ष रूप से टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि ये विवाद ''कथित रूप से अवैध रूप से अर्जित संपत्ति के बंटवारे को लेकर हैं। रेड्डी ने दावा किया, एक का कहना है कि हरीश राव और संतोष कुमार के पीछे रेवंत रेड्डी का हाथ है और दूसरे का कहना है कि के कविता के पीछे रेवंत रेड्डी हैं। तेलंगाना की जनता आपको पहले ही नकार चुकी है। क्या कोई आपके साथ खड़ा होगा? मैं चार करोड़ तेलंगानावासियों के पीछे हूं और उनके लिए काम कर रहा हूं। मेरे पास इतना समय नहीं है। उन्होंने कहा, जनता ने आप लोगों को पहले ही नकार दिया है। आप एक हज़ार रुपए के पुराने नोट की तरह हो। वो पार्टी वक़्त के साथ खत्म हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने स्थिति की तुलना अन्य राजनीतिक पार्टियों से करते हुए कहा, जनता पार्टी एक समय लोकप्रिय थी, लेकिन अब गायब हो गई है और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) एक शानदार पार्टी थी जिसने कई लोगों को अवसर दिए।

## मुलाकात

इंग्लैंड दौरे पर गए पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद बसवराज बोम्मई ने लंदन में भारतीय मूल के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य कुलनजीत सिंह से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

## जमानत शर्तों का उल्लंघन करने वाले विदेशियों के लिए नीति बनाने पर विचार करे केंद्र : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी एक विदेशी नागरिक के जमानत पर रिहा होने के बाद फरार हो जाने की जानकारी मिलने के बाद, उच्चतम न्यायालय ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस नीति की जरूरत रेखांकित की है कि देश में अपराध करने वाले विदेशी नागरिक 'सजा से बच' न सके। शीर्ष अदालत ने पिछले साल चार दिसंबर को झारखंड उच्च न्यायालय के मई 2022 के आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें आरोपी एलेक्स डेविड को जमानत दी गई थी।

जब मामला 26 अगस्त को न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया तो पीठ ने कहा कि देश में आपराधिक कार्यवाही का सामना करने के लिए एक नाइजीरियाई नागरिक के प्रत्यर्पण पर नाइजीरिया और भारत के बीच कोई द्विपक्षीय संधि नहीं है। पीठ ने कहा, विशेष अनुमति याचिका का निस्तारण किया जाता है, जिसमें जमानत रद्द करने के आदेश की पुष्टि की जाती है, लेकिन केंद्र सरकार को उचित नीति बनाने या आवश्यक और उचित समझी जाने वाली आगे की कार्रवाई शुरू करने का अधिकार दिया जाता है, ताकि विदेशी नागरिक भारत में अपराध करने के बाद न्याय की प्रक्रिया से भाग न सकें। डेविड पर धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम सहित कई अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया था।

उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के बाद, आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी गई। हालांकि उच्चतम न्यायालय को बताया गया कि डेविड जमानत पर बाहर आने के बाद फरार हो गया है। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से ऐसे मामलों में प्रक्रिया और दिशा-निर्देशों के बारे में सवाल किया। केंद्र ने एक हलफनामा दायर किया, जिसमें विदेश में जांच के लिए व्यापक दिशा-निर्देशों की मौजूदगी, अनुरोध पत्र जारी करने, परस्पर कानूनी सहायता अनुरोध और आपराधिक मामलों के संबंध में सम्मन, नोटिस और न्यायिक दस्तावेजों की तामील का संकेत दिया गया। पिछले साल चार दिसंबर को, उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया था और केंद्र को उनके दिशानिर्देशों में सुझाए गए उचित उपाय करने का निर्देश दिया था।

जब 26 अगस्त को मामला सुनवाई के लिए आया, तो केंद्र की ओर से पेश वकील ने पीठ के समक्ष विदेश मंत्रालय के सलाहकार (कानूनी) द्वारा सॉलिसिटर जनरल को संबोधित एक पत्र प्रस्तुत किया। पीठ ने पत्र की विषयवस्तु दर्ज की, जिसमें लिखा था, हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि भारत और नाइजीरिया के बीच द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के अभाव में, नाइजीरियाई प्राधिकारियों द्वारा अपने ही नागरिक को प्रत्यर्पित करने की संभावना नहीं है।

पत्र में कहा गया है कि प्रत्यर्पण अनुरोध नाइजीरिया के अबुजा स्थित भारतीय उच्चायोग को भेजा गया था, ताकि उसे ''आपसी सहयोग के भरोसे'' के आधार पर संबंधित नाइजीरियाई अधिकारियों को आगे भेजा जा सके।

## निलंबित बीआरएस नेता कविता ने पार्टी, एमएलसी पद छोड़ने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से निलंबन के एक दिन बाद वरिष्ठ नेता के. कविता ने बुधवार को पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की और अपने चचेरे भाई एवं पूर्व मंत्री टी. हरीश राव पर निशाना साधा।

पार्टी संस्थापक और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी कविता ने विधान परिषद की सदस्यता से भी इस्तीफा देने की घोषणा की और संकेत दिया कि उनके पिता केसीआर पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का 'दबाव' था। उन्होंने हरीश राव पर केसीआर परिवार के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया।

अपने समर्थकों के साथ यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए 47 वर्षीय पूर्व सांसद ने हरीश राव पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ मौन सहमति रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैंने कभी किसी पद की आकांक्षा नहीं रखी। मैं (विधान परिषद) अध्यक्ष को अपना त्यागपत्र भेज रही हूं... मैं केसीआर को बीआरएस की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा भेज रही हूं। कविता ने कहा कि उनके भाई और बीआरएस के

कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव को हरीश राव की कथित साजिशों से ''सावधान'' रहना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि जब उनके खिलाफ ''दुर्भावनापूर्ण अभियान'' चलाया गया, तो उनके भाई ने उनका साथ नहीं दिया।

कविता ने आरोप लगाया कि 2018 के विधानसभा चुनाव में हरीश राव ने पार्टी द्वारा किए गए वित्तपोषण के अलावा 20-25 विधायकों को अतिरिक्त पैसा दिया था। उन्होंने कहा, हरीश राव को इतना पैसा कैसे मिला? 100 प्रतिशत, यह पैसा कालेश्वरम परियोजना में हुए भ्रष्टाचार से आया था। उनका विचार था कि अगर नतीजे स्पष्ट नहीं हुए तो उन्हें अपने विधायकों को बुलाना चाहिए। लोकप्रिय फिल्म 'बाहुबली' का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि हरीश राव खुद को 'कटप्पा' जैसा बताते हैं और केसीआर के प्रति वफादारी जताते हैं लेकिन फिर वह विधायकों को अलग से वित्तपोषण क्यों दे रहे हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश राव ने 2009 के विधानसभा चुनाव में सिरसिला निर्वाचन क्षेत्र में के. टी. रामा राव को हराने के लिए पैसे भेजे थे।

कविता ने कहा, (इरादे) केसीआर, केटीआर को हराने और मेरे निजामाबाद संसदीय क्षेत्र (जहां से वह लोकसभा चुनाव हार गई थीं) के सभी विधायकों को अपने नियंत्रण में करने का है। (इरादा) केसीआर परिवार में सभी को हराने और सभी को बांटने का है। केसीआर और केटीआर से मेरा सवाल है कि क्या पार्टी अच्छी स्थिति में होगी यदि आपके साथ ऐसे लोग हों? लेकिन मुझे बाहर भेजो जो सच बोलता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



5 मिलाद-उन-नबी पर विदेशी उपदेशकों को अनुमति नहीं है : जी परमेश्वर
6 डिजिटल युग में शिक्षक की भूमिका हुई अधिक महत्वपूर्ण
7 कृति सेनन बनीं यूएनएफपीए की ब्रांड एंबेसडर



## फर्स्ट टेक

### लीबिया में सैन्य मुख्यालय पर आत्मघाती हमला

**त्रिपोली 03 सितंबर (वार्ता)** लीबिया की राजधानी त्रिपोली से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में बानी वालिद स्थित 444वीं कॉम्बैट ब्रिगेड के मुख्यालय को निशाना बनाकर एक आत्मघाती हमला किया गया है। ब्रिगेड ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ब्रिगेड ने अपने फेसबुक पेज पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि एक आत्मघाती हमलावर ने मुख्यालय के सामने वाहन के अंदर खुद को उड़ा लिया। बयान में हमले के बाद की तस्वीरें भी जारी की गईं, जिसमें कहा गया कि स्थिति नियंत्रण में है और मुख्यालय अपना काम जारी रखे हुए है। 444वीं कॉम्बैट ब्रिगेड पश्चिमी क्षेत्र में लीबियाई सेना से संबद्ध सैन्य इकाइयों में से एक है जो त्रिपोली स्थित संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एकता सरकार (जीएनयू) के अधीन है।

### भारत भर में 21 नदिया गंभीर बाढ़ की चपेट में

**नयी दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को बताया कि दिल्ली स्थित एक निगरानी केंद्र सहित अन्य निगरानी केंद्रों ने सूचना दी कि 21 नदियों में ''बाढ़ की स्थिति गंभीर है'' जबकि 33 अन्य नदियां सामान्य स्तर से ऊपर बह रही हैं। जिन 21 नदियां बाढ़ की गंभीर चपेट में हैं, उनमें बिहार में नौ, उत्तर प्रदेश में आठ और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और झारखंड में एक-एक नदी शामिल है। जिन 33 नदियों का जलस्तर सामान्य से अधिक है, उनमें उत्तर प्रदेश में नौ, बिहार में सात, असम में सात, उत्तराखंड में दो, ओडिशा में दो, तेलंगाना में दो और आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा पश्चिम बंगाल में एक-एक नदी है। दिल्ली में रेलवे पुल पर यमुना नदी में भीषण बाढ़ की स्थिति है। उत्तरी पहाड़ी राज्य हाई अलर्ट पर हैं।

### अभिनेता आशीष कपूर को हिरासत में लिया गया

**नयी दिल्ली/भाषा।** टेलीविजन अभिनेता आशीष कपूर को दिल्ली पुलिस ने पुणे से हिरासत में लिया है। एक महिला ने अभिनेता पर राष्ट्रीय राजधानी में एक पार्टी में दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित महिला कपूर से सोशल मीडिया के जरिये संपर्क में आई थी और उसने आरोप लगाया कि दुष्कर्म की यह घटना अगस्त के दूसरे सप्ताह में दिल्ली में एक पार्टी में हुई थी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''अपनी शिकायत में महिला ने कहा कि कपूर ने शौचालय में उसका यौन उत्पीड़न किया।'' पुलिस के अनुसार शुरुआती प्राथमिकी में कपूर, उनके एक मित्र, मित्र की पत्नी और दो अज्ञात व्यक्तियों के नाम शामिल थे।

सूर्यास्त 04-09-2025 6:28 बजे | सूर्योदय 05-09-2025 6:08 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 80,567.71 (+409.83) | 24,715.05 (+135.45) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | 122,001 रु. प्रति किलो |

### मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com



कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

#### दलहित दलन

सत्ता में ना होने से ही,
ना करें सभी पर बस विरोध।
कुछ मुद्दे ऐसे भी होते,
जिनका सारे ही रखें बोध।
सब दल कुछ ऐसी बातों पर,
मिल कर वैचारिक करें शोध।
कर देगा अहित देश का भी,
दलहित से उपजा क्षणिक क्रोध।।

---

## जीएसटी परिषद ने दी दो स्तरीय कर संरचना को मंजूरी

# जीएसटी में होंगे केवल दो कर स्लैब

- तंबाकू उत्पादों और सिगरेट को छोड़कर अन्य वस्तुओं के लिए 22 सितंबर से लागू होगी पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय कर संरचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नयी दिल्ली/भाषा।** जीएसटी परिषद ने बुधवार को लोगों को राहत देते हुए माल एवं सेवा कर के तहत पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय कर संरचना को मंजूरी दे दी। इसमें रोजमर्रा के उपयोग वाले सामानों पर जीएसटी दरों में कटौती की गयी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में लिये गये निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जीएसटी में व्यापक सुधारों के तहत बाल में लगाने वाले तेल, साबुन, साइकिल आम और मध्यम वर्ग की वस्तुओं पर जीएसटी 12 प्रतिशत या 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा, छेना, पनीर, रोटी और पराठा पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। जीवन रक्षक दवाओं पर भी जीएसटी शून्य होगा।



सीतारमण ने यह भी कहा कि व्यक्तिगत जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर जीएसटी से छूट मिलेगी।

इसके अलावा, छोटी कारों और 350 सीसी तक के दोपहिया वाहनों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। तिपहिया वाहन पर भी अब 18 प्रतिशत कर लगेगा।

उन्होंने कहा कि तंबाकू, पान मसाला और सिगरेट पर जीएसटी 40 प्रतिशत की विशेष दर से लगेगा।

सीतारमण ने कहा, '' यह केवल जीएसटी में सुधार नहीं है, बल्कि संरचनात्मक सुधारों और लोगों की जीवन को सुगम बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है।'' तंबाकू उत्पादों और सिगरेट को छोड़कर नई जीएसटी दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी।

- छेना, पनीर, रोटी, पराठे जैसे खाद्य उत्पादों, व्यक्तिगत जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा
- आम आदमी एवं मध्यम वर्ग के इस्तेमाल वाले उत्पादों- हेयर ऑयल, साबुन, साइकिल, हस्तशिल्प, संगमरमर, ग्रेनाइट पत्थर पर पांच प्रतिशत जीएसटी
- छोटी कारों एवं 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों, तिपहिया, सभी वाहन कलपुर्जों, सीमेंट, सभी टीवी सेट पर 18 प्रतिशत जीएसटी
- पान मसाला, तंबाकू उत्पादों, सिगरेट और एयरेटेड ड्रिंक, 350 सीसी से अधिक क्षमता वाली मोटरसाइकिल, व्यक्तिगत इस्तेमाल वाले विमानों, 1200 सीसी से अधिक क्षमता वाली पेट्रोल कार और 1500 सीसी से अधिक क्षमता वाली डीजल कार पर 40 प्रतिशत की विशेष जीएसटी दर

---

# 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति परंपरा और आधुनिकता का सर्वश्रेष्ठ समन्वय है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवरूर।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को यहां कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति परंपरा और आधुनिकता का सर्वश्रेष्ठ समन्वय है और जो लोग इसे अपना सकते हैं और नए कौशल सीख सकते हैं, वे बदलाव के अगुआ बनेंगे। तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुर्मू ने कहा कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक स्तर के उच्च मानकों को बनाए रखने और बौद्धिक जिज्ञासा एवं आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने वाला प्रेरक वातावरण बनाने के लिए विशेष प्रशंसा का पात्र है।

उन्होंने कहा, ''भारत में, हमारी महान और प्राचीन परंपराएं हैं जो ज्ञान के लिए ज्ञान की तलाश करती हैं।'' उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में, छात्रों के पास सीखने के इतने सारे संसाधन उपलब्ध होने से वे एक बेहतरीन स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, ''आपके लिए अपनी समृद्ध विरासत को फिर से खोजना किसी भी पिछली पीढ़ी की तुलना में कहीं अधिक आसान है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल में है; यह परंपरा और आधुनिकता के सर्वोत्तम पहलुओं को एक साथ लाती है।'' छात्रों से निरंतर सीखते रहने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में इंटरनेट क्रांति ने दुनिया को इस तरह बदल दिया है कि कई नए पेशे सामने आए हैं, जिनकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की गई थी।

उन्होंने कहा, ''कृत्रिम बुद्धिमत्ता और औद्योगिक क्रांति 4.0, कार्य संस्कृति को और बदल देंगे। ऐसे गतिशील वातावरण में, जो लोग नए कौशल सीख सकते हैं, वे बदलाव में अग्रणी भूमिका के वाहक बनेंगे।'' मुर्मू ने कहा कि वह एक स्कूल शिक्षिका थीं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जीवनभर विद्यार्थी रहे और उन्होंने तमिल और बांग्ला जैसी भाषाओं को जाना, गीता जैसे धर्मग्रंथ का अध्ययन किया और साथ ही चप्पल बनाने और चरखा चलाने जैसे कौशल सीखे। उन्होंने कहा, ''उनके मामले में यह सूची लगभग अंतहीन है। गांधीजी अपने अंतिम समय तक असाधारण रूप से सजग और सक्रिय रहे। उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु बने रहने की सलाह दी। इससे निरंतर सीखते रहने को बढ़ावा मिलेगा और निरंतर सीखने से उनके कौशल की हमेशा मांग बनी रहेगी।''

---

# भारत-जर्मनी संबंधों को और व्यापक बनाने की अपार संभावनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नयी दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवाचार और विनिर्माण जैसे क्षेत्र में भारत-जर्मनी सहयोग को और व्यापक बनाने की अपार संभावनाएं हैं।

मोदी ने यह बात जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल से मुलाकात के बाद कही। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल से मिलकर प्रसन्नता हुई। भारत और जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा, जीवंत लोकतंत्र और अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, हम व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवाचार, विनिर्माण जैसे क्षेत्र में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ाने की अपार संभावनाएं देखते हैं।



प्रधानमंत्री ने कहा, हम एक बहुध्रुवीय विश्व, शांति और संयुक्त राष्ट्र सुधारों के लिए एक समान दृष्टिकोण रखते हैं। मैंने जर्मन चांसलर को शीघ्र भारत आने का निमंत्रण दोहराया।

वेडफुल ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ व्यापक मुद्दों पर बातचीत के बाद मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद जर्मनी के विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यूक्रेन में युद्ध विराम के लिए भारत के आह्वान की सराहना की। उन्होंने कहा, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अच्छी बातचीत हुई। हमारे देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को व्यापक स्तर पर, विशेष रूप से सुरक्षा एवं रक्षा, अर्थव्यवस्था एवं व्यापार तथा कुशल श्रम के क्षेत्र में विस्तारित करने के लिए अच्छे कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा, हम यूक्रेन में युद्ध विराम के लिए भारत के आह्वान की भी सराहना करते हैं।

---

## गैंगस्टर मैनपाल ढिल्ला को कंबोडिया से प्रत्यर्पित किया गया, गिरफ्तार

**नयी दिल्ली/गुरुग्राम/भाषा।** हरियाणा के कुख्यात वांछित अपराधी मैनपाल ढिल्ला को राज्य पुलिस, केंद्रीय गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के सहयोग से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा समन्वित एक अभियान में कंबोडिया से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हरियाणा के झज्जर जिले के बादली गांव का निवासी मैनपाल ढिल्ला उर्फ़ मैनपाल बादली पर हत्या समेत 22 मामले दर्ज हैं। अधिकारियों ने बताया कि 2007 और 2010 में दर्ज तीन मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद वह हिसार जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। अधिकारियों ने बताया कि ढिल्ला पर जेल में रहते हुए एक व्यक्ति की हत्या का भी आरोप है। उसे 17 जुलाई 2018 को पैरोल पर रिहा किया गया था, जिसके बाद वह फर्जी पहचान पत्र के साथ विदेश भाग गया था।

---

# शहरी क्षेत्रों में यातायात सुगम बनाना प्राथमिकता : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शहरों में भीड़भीड़ को देखते हुए यातायात की व्यवस्था को सुचारू बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इसके लिए प्राथमिकता के आधार पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि शहरों में यातायात के संचालन के लिए रिंग रोड तथा बाईपास जैसी व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित कर ऐसे उपाय किये जाने चाहिए कि शहरी क्षेत्र में



बाहरी वाहनों का दबाव कम हो लम्बी दूरी के वाहनों को शहर के बाहरी इलाके से ही अपने गंतव्य तक भेजा जा सके। उनका कहना था कि इस बारे में वह सहयोगी मंत्रियों तथा अधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं।

गडकरी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शहरी क्षेत्रों के आसपास राष्ट्रीय राजमार्गों के सतत विकास के लिए नवीन नीतिगत उपायों पर एक परामर्श कार्यशाला की अध्यक्षता की।

मंत्रालय में राज्य मंत्री अजय टम्टा जी तथा हर्ष मल्होत्रा जी, राज्य सरकार के अधिकारी और नगर निगम आयुक्त इसमें शामिल हुए। कार्यशाला के दौरान की चर्चा में रिंग रोड और बाईपास का निर्माण कर शहरी राष्ट्रीय राजमार्गों पर भीड़भाड़ कम करने, नवीन मूल्य ग्राही वित्तपोषण मॉडल अपनाने और शहर के मास्टर प्लान के साथ निर्बाध संरेखण सुनिश्चित करने पर विचार किया गया।

---

श्री विमलनाथाय नमः
श्री जिनकुशलसूरि दादागुरुभ्यो नमः

श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के तत्वावधान में
अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद्, बैंगलोर
द्वारा आयोजित

तत्वावधान — श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ बेंगलूरु
आयोजक — अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद Kयुप

सद्गुरु शरणम्
यात्रा संघ
चारों दादागुरुदेवों के पावन पुण्यधाम, जन्मस्थलियाँ, जैसलमेर, कापरडाजी, ओसियाजी, औस्त्रा, नाकोड़ाजी, बाड़मेर
संघ प्रस्थान गुरुवार दि.: 04-09-2025
संघ आगमन गुरुवार दि.: 11-09-2025

शुभ आशीर्वाद: प.पू अवन्ति तीर्थोद्धारक युगदिवाकर आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा
मंगल प्रेरणा : प.पू युवाप्रेरक मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी म.सा आदि ठाणा-2
प.पू गुरूवर्याश्री हर्षपूर्णाश्रीजी म.सा आदि ठाणा-7

चारों दादागुरुदेव के पुण्यधाम,जन्मस्थलियों के साथ ही राजस्थान के अनेक प्राचीन तीर्थों की इस अलौकिक संघ में यात्रा करने वाले समस्त श्रद्धालु यात्रीगणों को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी यह यात्रा मंगलकारी हो, आत्म कल्याणकारी हो एवं निर्विघ्न पूर्णता को प्राप्त करे....,
हम सब यही शुभेच्छा व्यक्त करते है। संघ आयोजक परिवार, समस्त प्रायोजक, सह प्रायोजक एवं व्यवस्था सहयोगी सदस्यों की भूरि भूरि अनुमोदना।

शुभ कामनाओं सहित

| | |
|---|---|
| संघवी श्रीमती भंवरीदेवी पारसमलजी भंसाली परिवार, सिवाना | श्रीमती शांतिदेवी चुन्नीलालजी गुलेच्छा परिवार, मोकलसर |
| श्रीमती तनूजा रविन्द्रकुमार रतनपुरा बोहरा, बाड़मेर | श्रीमती नीलम प्रकाशचंद पारख, ब्यावर |
| श्रीमती देवीबाई नेनमलजी बाफना, मोकलसर | श्री पन्नालाल गौतमचंदजी कवाड,फलौदी |
| श्री अमीचंद वीरचंद चोपड़ा,समदड़ी | श्री तेजराज जयंतीलाल बोहरा, बाला |
| श्रीमती मोहनदेवी समरथमलजी रांका परिवार, उम्मेदाबाद | श्री पंकजकुमार क्रिशकुमार बाफना, सिवाना |
| श्रीमती प्रेमलतादेवी सज्जनसिंह खटोड, ब्यावर | श्री संजीवकुमार विकासकुमार पारख, ब्यावर |
| श्रीमती परमेश्वरीदेवी बाबूलाल धारीवाल, बाड़मेर | श्रीमती नेमीबाई सरदारमलजी संकलेचा परिवार, जोधपुर |
| श्रीमती प्रकाशकंवर रेखचंदजी डाकलिया,ब्यावर | श्रीमती यशोदादेवी देवीचंदजी गुलेच्छा, मोकलसर |
| श्री कैलाशचंद गौरवकुमार संकलेचा, बाड़मेर | श्री विनोदकुमार विदित बाफना, मोकलसर |
| श्री भरतकुमार निलेशकुमार मेहता, खिमेल | श्री उज्वलकुमार हेमंतकुमार गोलेछा, किशनगढ़ |
| श्री दीपक सुपुत्र श्रीमती लक्ष्मीदेवी छाजेड, फालना | श्रीमती कुसुमदेवी तेजराजजी मालानी परिवार, मोकलसर |
| संघमाता इचरजदेवी चम्पालालजी डोसी परिवार, खजवाणा | श्रीमती भाग्यवंतीदेवी कांतिलाल गुलेच्छा, मोकलसर |
| श्रीमती पानीदेवी रिखबचन्दजी फोफलिया, सिवाणा | श्रीमती त्रिशला हरीश चौपड़ा, फालना |

---



# चीन का कायाकल्प 'निर्बाध जारी' है : शी चिनफिंग

## चीन ने अपनी विशाल सैन्य परेड में कई नई हथियार प्रणालियों का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बीजिंग/भाषा।** चीन में बुधवार को आयोजित सैन्य परेड में हाइपरसोनिक, लेजर और लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों सहित कुछ अत्याधुनिक साजो सामान का पहली बार प्रदर्शन किए जाने के साथ राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि उनके देश का कायाकल्प ''निर्बाध जारी'' रहेगा।

द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी आक्रमण के विरुद्ध चीन की जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एक भव्य परेड को संबोधित करते हुए शी ने कहा, चीन कभी भी किसी भी धौंस से नहीं डरता और हमेशा आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ (शुल्क) धमकियों के संदर्भ में परोक्ष रूप यह बात कही। शी ने कहा, इतिहास हमें सचेत करता है कि मानवता एक साथ उठती और गिरती है। शी ने जन मुक्ति सेना (पीएलए) से राष्ट्रीय पुनरुद्धार के लिए रणनीतिक सहयोग प्रदान करने तथा विश्व शांति एवं विकास में अधिक योगदान देने का आह्वान किया।

चीनी सेना ने पहली बार परेड में अपने कुछ सबसे उन्नत सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन किया, जो दुनिया, विशेषकर अमेरिका के समक्ष शक्ति प्रदर्शन था। पीएलए की सर्वोच्च कमान केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के प्रमुख शी ने चीनी सेना से खुद को विश्व स्तरीय सुरक्षा बल बनाने और राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता एवं क्षेत्रीय अखंडता की दृढ़ता से रक्षा करने को कहा।

अमेरिका के बाद चीन दूसरा सबसे बड़ा रक्षा बजट वाला देश है। इस साल इसका वार्षिक रक्षा बजट 250 अरब अमेरिकी डॉलर का है।

### अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कसा तंज



**बीजिंग/भाषा।** चीन ने दूसरे विश्व युद्ध में अपनी विजय की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बुधवार को यहां एक विशाल सैन्य परेड का आयोजन किया जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के शीर्ष नेता किम जोंग उन सहित 20 से अधिक विदेशी नेताओं ने शिरकत की।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस मौक़े पर चीन को बधाई दी और साथ ही तंज़ कसते हुए अमेरिका के ख़िलाफ़ 'साज़िश' रचने का आरोप लगाया। उन्होंने एक पोस्ट किया, बड़ा सवाल यह है कि क्या चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग उस भारी समर्थन और 'रक्त' का ज़िक्र करेंगे जो अमेरिका ने चीन को विदेशी आक्रमणकारी से आज़ादी हासिल करने में मदद करने के लिए दिया था। ट्रम्प ने पुतिन और किम की अमेरिका के ख़िलाफ़ कथित तौर पर साज़िश रचने के लिए भी आलोचना की। उन्होंने कहा, व्लादिमीर पुतिन और किम जोंग उन को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं, क्योंकि आप अमेरिका के ख़िलाफ़ साज़िश रच रहे हैं।

# बहरोड़ में मांढण आईटीआई के लिए भूमि का आवंटन तथा बर्डोद आईटीआई के लिए भूमि का चिह्निकरण पूरा : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कौशल नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र बहरोड़ में बर्डोद एवं मांढण औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान खोलने के लिए बजट घोषणा के तहत मांढण आईटीआई की स्थापना के लिए भूमि आवंटित कर दी गई है तथा बर्डोद आईटीआई के लिए भूमि का चिह्निकरण कर प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। कर्नल राठौड़ प्रश्नकाल में विधायक डा जसवंत सिंह यादव के इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय बहरोड़ में केवल एक आईटीआई खोलने के लिए बजट वर्ष 2022-23 में घोषणा की गयी थी, लेकिन भूमि का चिह्निकरण नहीं किया गया। वर्तमान सरकार ने बहुत कम समय में ही चिह्निकरण कर आईटीआई खोलने की कार्यवाही शुरू कर दी है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि जल्द ही बर्डोद में भी भूमि आवंटन का कार्य पूरा हो जायेगा। डा यादव ने पूछा कि यह काम कब तक कर दिया जायेगा।

इस पर राठौड़ ने कहा कि सरकार आते ही मांढण आईआईटी के लिए डेढ़ वर्ष कई स्थान देखे और छह जगह जमीन को अस्वीकार करते हुए सातवीं जगह उचित जगह का चयन किया गया और बर्डोद के लिए भी शीघ्र आवंटन का काम किया जायेगा।

इससे पहले विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में कौशल नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बर्डोद- कोटपुतली बहरोड बजट घोषणा 2025-26 में स्वीकृत है और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मांढण- बहरोड बजट घोषणा 2022-23 में स्वीकृत है। उन्होंने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बर्डोद के लिए भूमि का चिह्निकरण ग्राम बर्डोद के नजदीक ग्राम कारोड़ा में किया गया है। उपखण्ड अधिकारी बहरोड़ के द्वारा ग्राम बर्डोद के नजदीक ग्राम कारोड़ा के आराजी खसरा नम्बर 677 रकबा 1.40 है। किस्म चारागाह में से भूमि आंवटन के नवीन प्रस्ताव जिला कलक्टर कोटपूतली-बहरोड़ को प्रेषित किये हैं।

उन्होंने बताया कि विधान सभा क्षेत्र बहरोड़ में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मांढण में प्रवेश सत्र 2022-23 से एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बर्डोद में प्रवेश सत्र 2025-26 से संचालित है।उन्होंने यहाँ संचालित व्यवसाय की सूची सदन के पटल पर रखी।

# राजस्थान में शीघ्र आएगी मोटर व्हीकल एग्रीगेटर पॉलिसी : बैरवा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डा प्रेम चन्द बैरवा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य में शीघ्र ही एग्रीगेटर पॉलिसी लाई जाएगी। डा बैरवा प्रश्नकाल में विधायक कालीचरण सराफ के इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हाल ही जारी की गई मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइन- 2025 का अध्ययन कर राज्य में एग्रीगेटर पॉलिसी-2025 लाए जाने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि एग्रीगेटर पॉलिसी जारी होने के पश्चात एग्रीगेटर कैब कम्पनी के वाहनों के लिए पृथक से किराया जारी किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि एग्रीगेटर कैब कम्पनी लाइसेंस प्राप्त करने के लिए कम्पनियों को न्यूनतम 50 मोटर कैब अथवा अन्य वाहनों की स्थिति में न्यूनतम 25 वाहन आवश्यक हैं। रेंट ए कैब स्कीम में न्यूनतम 50 मोटर कैब आवश्यक हैं, जिनमें से 50 प्रतिशत वातानुकूलित वाहन होने चाहिये।

# स्मार्ट मीटर और झालावाड़ स्कूल हादसे को लेकर विधानसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के चतुर्थ सत्र के दूसरे दिन बुधवार को भी सदन में हंगामा हुआ और विपक्ष के सदस्यों ने प्रदेश में बिजली के स्मार्ट मीटर के विरोध में सदन से बहिगर्मन किया। प्रश्नकाल में विधायक रोहित बोहरा के स्मार्ट मीटर को लेकर पूछे गये प्रश्न के बाद जब पूरक प्रश्नों का ऊर्जा मंत्री हीरा लाल नागर जवाब दे रहे थे तब उनके जवाब से विपक्ष के सदस्य संतुष्ट नहीं हुए और प्रश्नकाल के आखिरी कुछ मिनट बचने के दौरान सदन से बहिर्गमन कर गए। इससे पहले बोहरा ने अपने पूरक प्रश्न में पूछा कि गत 22 अगस्त को सरकार ने प्रदेश में लगाये जा रहे बिजली के स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता समाप्त कर दी लेकिन क्या यह निकाय एवं पंचायत चुनाव के मद्देनजर ऐसा किया हैं या यह स्थाई रुप से किया गया हैं।

इस पर नागर ने बताया कि सरकार प्रदेश में लोगों को समय पर नये कनेक्शन देने की नियत के साथ काम करते हुए स्मार्ट मीटर लगाने में देरी होने के कारण उन्हें स्मार्ट मीटर की जगह सामान्य मीटर लगाने की व्यवस्था के तहत यह किया गया हैं जो स्थाई नहीं हैं बाद में स्मार्ट मीटर उपलब्ध होने पर सामान्य मीटरों की जगह स्मार्ट मीटर लगाये जायेंगे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूछा कि गोवा सरकार द्वारा जिस कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया उसे यहां स्मार्ट मीटर लगाने की अनुमति दी गई है जो गलत हैं। इस पर नागर ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने की स्वीकृति तत्कालीन सरकार ने दी थी और अब वर्तमान सरकार इसे आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि ब्लैक लिस्ट कंपनी राजस्थान में ब्लैकलिस्ट नहीं हैं। विपक्ष के सदस्य मंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और सदन में नारेबाजी करने लगे जिससे सदन में हंगामा हुआ।

करीब आठ-दस मिनट तक हंगामा जारी रहने के बाद लगभग 11 बजकर 53 मिनट पर विपक्ष के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन कर गए। बहिर्गमन करने पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने विपक्ष के इस व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि विपक्ष के सदस्य मंत्री का जवाब नहीं सुनना चाहते और अपने दोष को छिपाने के लिए सदन से बहिर्गमन कर रहे हैं।

इस पर बहिर्गमन के बाद जूली ने कहा कि सदन से बाहर जाने के बाद पीछे से बोलते हो हिम्मत है तो सामने जवाब देना चाहिए। इस पर एक बार सदन में फिर शोरगुल और हंगामा हुआ। सत्ता पक्ष की तरफ से मंत्री अविनाश गहलोत, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं जोराराम कुमावत आदि खड़े होकर बोलने लगे। सदन में दोनों पक्षों की तरफ से सदस्यों के बोलने पर सदन में जोरदार हंगामा हुआ। इस दौरान प्रश्नकाल समाप्त हो गया और स्थगन प्रस्ताव एवं नियम 295 के तहत पूछे जाने वाले प्रश्न और सदन की कार्यवाही हंगामे के बीच चली।राजस्थान में कांग्रेस विधायकों ने झालवाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र में एक सरकारी स्कूल की छत गिरने से हुए हादसे के सात मृतक बच्चों को विधानसभा में श्रद्धांजलि नहीं देने को लेकर बुधवार को तख्तियां लगाकर एवं काली पट्टी बांधकर विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक हरिमोहन शर्मा सहित कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा की कार्यवाही शुरु होने से पहले यह विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस विधायको ने इन बच्चों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर पायलट ने कहा कि राज्य विधानसभा में अन्य राज्यों में हुई अतिवृष्टि एवं हादसों पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई जबकि राज्य के झालावाड़ जिले में गत दिनों हुए हादसे में सात बच्चों की जान जाने के बाद भी इन बच्चों को विधानसभा में श्रद्धांजलि नसीब नहीं हुई।

# कांग्रेस को अपने गिरबान में झांकना चाहिए : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर आरोप लगाये गये आरोप पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। बेढ़म ने अपने बयान में कहा कि टीकाराम जूली प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर चिंता जता रहे हैं, मगर वह यह भूल गए की उनकी पार्टी के शासन काल में राजस्थान अपराधों का गढ़ बन गया था। महिला अत्याचार में तो देश के अग्रणी प्रदेशों में राजस्थान की गिनती होती थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता स्मार्ट मीटर को लेकर दोगला व्यवहार कर रहे हैं। उनकी सरकार के कार्यकाल में ही प्रदेश में डेढ़ करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने का टेण्डर जारी किया गया था तथा लगभग साढ़े पांच लाख स्मार्ट मीटर लगा भी दिए गए थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस तो चारा चोर की दोस्त बनी हुई हैं। कांग्रेस की चिंता जायज है, क्योंकि प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विकास कार्यों की झड़ी लगा दी हैं और उसके नेताओं के पास मुद्दों की भारी कमी हो गई है। इसलिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा विधानसभा से भाग रहे हैं, उन्हें रुककर सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए।

जूली को वो समय याद करना चाहिए, जब नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें बोलने से उन्हीं की पार्टी के लोगों ने रोका था। कांग्रेस गुटों में बंटी हुई है, जबकि भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह एकजुट है।

# भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, सड़क व रेल यातायात बाधित

जयपुर। लगातार मूसलाधार बारिश से राजस्थान के कई हिस्सों में रेल और सड़क यातायात बाधित हो गया और जयपुर व कोटा जिलों के कई इलाके जलमग्न हो गए। कोटा रेलवे डिवीजन के प्रवक्ता ने बताया कि दरा रेलवे स्टेशन के पास भूस्खलन के बाद कोटा-मुंबई मार्ग पर नौ ट्रेनें रोक दी गईं। दरा नदी में जलभराव के कारण कोटा और झालावाड़ को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर यातायात रोकना पड़ा। जयपुर, दौसा और सीकर में बुधवार सुबह हुई बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। दौसा में, भारी बारिश के बीच जयपुर-आगरा राजमार्ग पर पुलिस वैन एक ट्रक से टकरा गई, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

राजधानी जयपुर शहर की सड़कों और निचले इलाकों में भारी जलभराव के कारण यातायात बाधित हुआ और टोंक रोड, परकोटे वाले इलाके, जवाहर नगर, राजा पार्क, मोती डूंगरी रोड, गोपालपुरा, टोंक फाटक और अजमेर रोड पर चार से पांच फुट पानी भर जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। राज्य के प्रमुख सरकारी सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में भी पानी आ गया, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी हुई। काला हनुमान जी मंदिर में भी पानी घुस गया। भारी बारिश के कारण कई इलाकों से बिजली गुल होने की खबर है। जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र आज तीव्र होकर 'वेल मार्क लो प्रेशर' (डब्ल्यूएमएलपी) बन गया है। इसके आगामी 24 घंटों में उड़ीसा, मध्य प्रदेश की ओर आगे बढ़ने की संभावना है। इसके असर से आज से ही बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। आगामी 3-4 दिन पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी भागों के कोटा, उदयपुर, भरतपुर, अजमेर, जयपुर संभाग के कुछ भागों में मध्यम से भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने का अनुमान है।

# स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने सहित सुचारू संचालन के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि देवनारायण गुरुकुल योजना का उद्देश्य अति पिछड़ा वर्ग के गरीब बच्चों को गुणात्मक शिक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार्य नहीं होगी। निदेशक ने अंबेडकर भवन में आयोजित बैठक में देवनारायण गुरुकुल योजना के अंतर्गत प्रदेश की चयनित निजी आवासीय विद्यालयों के संस्था प्रधानों और प्रतिनिधियों से योजना से जुड़ी समस्या या सुझावों के लिए खुले संवाद (ओपन डिस्कशन) के दौरान यह बात कही। उन्होंने आवासीय विद्यालयों के संचालन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं के निस्तारण और सुझावों को अमल में लाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

मोदी ने कहा कि देवनारायण गुरुकुल योजना के तहत आवासीय विद्यालयों का सुचारू संचालन योजना के सफल होने का आधार है। उन्होंने विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, उचित खानपान और साफ सफाई रखने के भी निर्देश दिए।

इस दौरान देवनारायण गुरुकुल योजनान्तर्गत परीक्षा परिणाम, छात्रावास सुविधा, नियमित बायोमैट्रिक उपस्थिति, देय सुविधाएं, मेन्यू अनुसार भोजन व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निदेशक, माध्यमिक शिक्षा विभाग सीताराम जाट, अतिरिक्त निदेशक, देवनारायण योजना सुंडाराम मीना सहित आवासीय विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान : अभियान को जीवन का हिस्सा बनाकर समाज में बदलाव ला सकते हैं : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान के सहयोग से चलाए जा रहे सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान के अंतर्गत अब तक विभिन्न सरकारी एवं निजी स्कूलों तथा कॉलेजों के लगभग 2 लाख 51 हजार से अधिक युवाओं को सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। बुधवार को महारानी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से 'सबसे बड़ा युवा नेतृत्वित सड़क सुरक्षा अभियान एवं सुरक्षित सड़क कॉरिडोर विकास' शीर्षक से स्थापित रिकॉर्ड की घोषणा की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान जीवन का हिस्सा बनना चाहिए, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। उन्होंने कहा कि हेलमेट लगाना, सीट बेल्ट पहनना, लाल बत्ती पर रुकना और वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात न करना जैसे सड़क सुरक्षा नियमों को अपनाना आवश्यक है। तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन आएगा। उन्होंने मुख्य अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) जसवंत खत्री, विभाग की टीम एवं अन्य सहयोगियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश समाप्त होते ही लगभग 1500 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों के स्थायी पुनर्निर्माण के कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नई सड़कें बनाने के साथ-साथ मौजूदा सड़कों को दुरुस्त रखना सरकार की प्राथमिकता है और इन कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को सक्रिय नागरिक की तरह ध्यान रखना चाहिए कि उनके क्षेत्र में बनने वाली सड़कें निर्धारित मानकों के अनुरूप हों और उनमें प्रयुक्त सामग्री सही गुणवत्ता की हो।

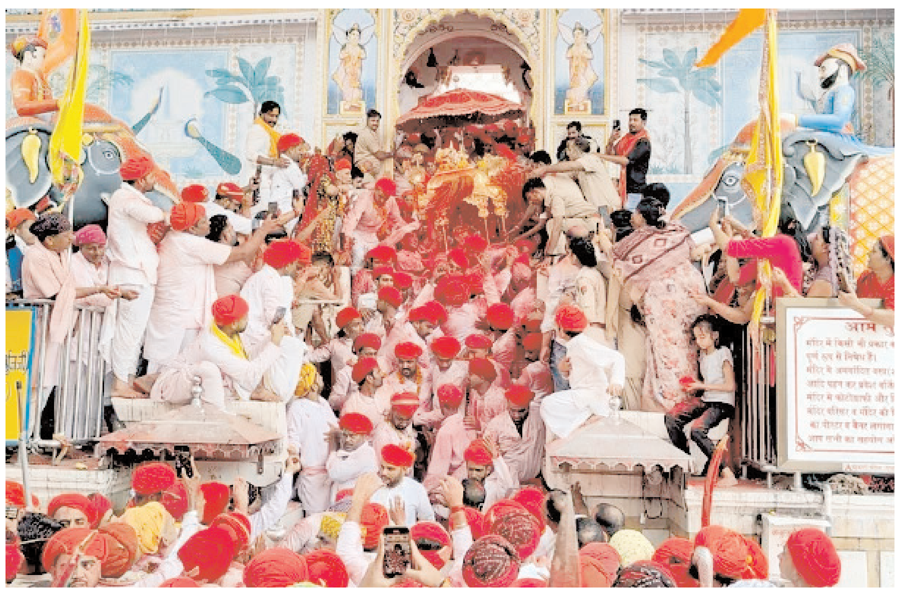

# जलझूलनी एकादशी : अस्त्र शस्त्र आयुध के साथ नगर भ्रमण को निकले प्रभु चारभुजा नाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजसमन्द। मेवाड़ के चारधाम में शामिल राजसमंद जिले के श्रीचारभुजानाथ मंदिर में भाद्रपद शुक्ल पक्ष एकादशी पर बुधवार को जलझुलनी एकादशी के मेले में आस्था का सैलाब उमड़ा। प्रदेश के सबसे बड़े भगवान चारभुजानाथ के जलझुलनी एकादशी पर लगने वाले तीन दिवसीय लक्खी मेले के अंतिम दिन आज प्रभु के बाल स्वरूप को सोने की पालकी में बिराजित कर दुधतलाई तक लाया गया, जहां पर हजारों सेवकों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में शाही स्नान करवाया गया। हजारो श्रृद्धालुओं ने प्रभु के विगृह स्नान के अलोकिक दृश्य को अपलक निगाहों से निहारा। प्रभु की मंदिर में आरती के बाद भगवान की बाल प्रतिमा को गर्भगृह से सोने की पालकी मे बिराजमान किया। करीब 11.30 बजे सोने की पालकी निज मंदिर से स्वर्ग सी आभा में मृंदग, शहनाई, बैंण्ड बाजों की मधुर ध्वनि के साथ चारभुजा नाथ के जयकारों के साथ मंदिर प्रांगण में आई। यहां से प्रभु की शोभायात्रा रवाना हुई। शोभायात्रा के साथ मेवाड़ी वेशभूषा में मेवाड़ी पाग, धोती कुर्ते पहने चल रहे पुजारियों के हाथ में ढाल, तलवार, गोटे बंदूक सहित नाना प्रकार के स्वर्ण, रजत जडित धातु से निर्मित अस्त्र शस्त्र और आयुध सहित मोर पंखी लिए नृत्य किए चल रहे थे।

प्रभु की एक झलक पाने के लिए मंदिर चौक, छतें और पाण्डाल लोगों से खचा खच भरा हुआ था। जिधर देखो उधर ही श्रद्धालु नजर आ रहे थे। इस दौरान भक्तजनो और श्रृद्धालुओं ने खूब अबीर गुलाल उडाई। साथ में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह प्रभु के बेवाण पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

शोभायात्रा में नंगारखाना का संचालन और घोड़े नाचते हुए चल रहे थे। प्रभु के निशान, सूरज-चांद के प्रतीक और चांदी की पालकी पीछे-पीछे चल रही थी। दूध तलाई पर प्रभु चारभुजा नाथ के बाल स्वरूप को पवित्र स्नान करवाया गया वहीं श्रद्धालुओं ने अपने हाथों से पानी उछलकर और टैंकर से पानी की बौछार फेंक कर प्रभु को स्नान करवाया। प्रभु के अलौकिक दर्शन करने के लिए देशभर से श्रद्धालु यहां पहुंचे। स्नान के बाद प्रभु को शोभा यात्रा के रूप में फिर से निज मंदिर लाया गया।

# राजस्थान हम सबका परिवार है, सभी मजहब-जातियां मिलकर रहेंगी तभी प्रदेश में खुशहाली आएगी : राजे

जोधपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने जोधपुर प्रवास के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ईश्वर में आस्था और विश्वास रखने से मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं, भले ही इसमें समय लगे। राजे ने अपने जोधपुर दौरे की शुरूआत अजीत भवन में मीडिया संवाद से की। इस अवसर पर उन्होंने बाबा रामदेव की दशम वीर तेजाजी जयंती एवं खेजड़ली मेले पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं और प्रार्थना की कि राजस्थान एक मजबूत, समृद्ध और सुखी प्रदेश बने।

उन्होंने बताया कि उनकी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत बाबा रामसा पीर के दर्शन से हुई थी। उन्होंने कहा कि रामसा पीर सभी के देवता हैं, और राजस्थान हम सबका परिवार है।

## विद्यार्थियों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर अलवर के चिनार पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही को देखा। विद्यार्थियों ने देवनानी से विधानसभा की कार्यप्रणाली व संसदीय परंपराओं को समझा। उन्होंने व्दियार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की गरिमा और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। व्दियार्थियों ने पीतल वाले ऐतिहासिक गेट पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी और वनमंत्री संजय शर्मा के साथ सामूहिक चित्र लिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर के लिए विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

# जीबीए क्षेत्र में नए निगम कार्यालयों के निर्माण का भूमिपूजन समारोह 1 नवंबर को : डीके शिवकुमार

## पाँच निगमों को 300 करोड़ रुपये आवंटित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी कार्यालय की नेमप्लेट का अनावरण करने के बाद, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, पाँच निगमों के नए कार्यालयों का भूमिपूजन समारोह 1 नवंबर को होगा। सभी निगमों के सीमावर्ती क्षेत्रों में बॉर्डर टावर बनाए जाएँगे। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी कार्यालय की नेमप्लेट का अनावरण करने के बाद, शिवकुमार ने बुधवार को मीडिया को कहा, प्रत्येक निगम क्षेत्र में सड़कों और प्रशासनिक पहलुओं के सुधार के लिए 500 इंजीनियरों को मंजूरी दी गई है। पहले 198 वार्ड थे। अब 500 वार्ड बनाने की अनुमति के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। निगमों के प्रशासनिक खर्च, वेतन और पेंशन के लिए बीबीएमपी से लगभग 300 करोड़ रुपये जारी किए जाएँगे।

उन्होंने कहा, नागरिक और वास्तुकार सुझाव दे सकते हैं कि नगर निगम कार्यालयों की डिज़ाइन कैसी होनी चाहिए। वे डिज़ाइन भी प्रदान कर सकते हैं। सर्वश्रेष्ठ तीन या पाँच डिज़ाइनों का चयन किया जाएगा। इसके लिए 5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रत्येक नगर निगम में दो आईएएस अधिकारी, एक केएएस, दो मुख्य अभियंता और आवश्यक कार्यालय कर्मचारी काम करेंगे। नगर निगम बेंगलूरु शहर में सुशासन सुनिश्चित करने और सरकार को लोगों के द्वार तक पहुँचाने के लिए निर्णय लेकर काम करेंगे। नगर निगम अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली सड़कों और सीवरों सहित अन्य चीज़ों की पहचान करेंगे।

पाँच नगर निगमों के अधिकार क्षेत्र में नए क्षेत्रों को शामिल करने के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, अगर बेंगलूरु शहर से सटे स्थानीय निकायों को अब जीबीए के अधिकार क्षेत्र में शामिल किया जाता है, तो वर्तमान प्रतिनिधियों को भी नगर निगम सदस्य के रूप में विचार करना होगा। सबसे पहले, अब गठित नगर पालिकाओं के चुनाव होने के बाद, भविष्य में अन्य क्षेत्रों के विलय के बारे में सोचा जा सकता है।

नए आयुक्तों की ज़िम्मेदारियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, नए आयुक्तों को जनता के बीच काम करना होगा। जीबीए आयुक्त फुटपाथ, पानी, सड़क और अन्य कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। उन्हें प्रतिदिन 17-18 घंटे काम करना होगा। इसीलिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ युवा अधिकारियों को भी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा, चुनाव होने तक महेश्वर राव जीबीए के मुख्य आयुक्त और प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। प्राधिकरण की समिति में 75 सदस्य नियुक्त किए गए हैं। जब विधायक अश्वथनारायण द्वारा ग्रेटर बेंगलूरु के अंग्रेज़ी नाम पर आपत्ति जताई गई, तो उन्होंने कहा, मैं उनसे सलाह लूँगा कि इसे क्या नाम दिया जाए। मुंबई समेत अन्य जगहों पर भी यही स्थिति पैदा हुई है। मातृभाषा की अनदेखी का कोई सवाल ही नहीं है। लेकिन अगर कोई बेहतर शब्द मिलता है, तो उसे बदल देंगे।

उन्होंने कहा, बेंगलूरु की समस्याएँ रातोंरात हल नहीं होंगी। लेकिन हमें विश्वास है कि आने वाले दिनों में हम इनका समाधान कर लेंगे। हम पेयजल, गड्ढों और यातायात की भीड़भाड़ पर अच्छा काम करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या जीबीए बेंगलूरु का विकास कर सकता है, तो उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से संभव होगा। जनता को भी निगमों के साथ हाथ मिलाना चाहिए। तभी पारदर्शी शासन संभव होगा। लोगों को ईमानदारी से अपनी संपत्ति घोषित करनी चाहिए और करों का भुगतान करना चाहिए। जीबीए के कामकाज के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, बीबीए केवल पर्यवेक्षण का काम करेगा। अन्य सभी मामले निगमों के अधिकार क्षेत्र में आएंगे।

बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को एनआर चौक स्थित ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी मुख्यालय में पूजा-अर्चना की। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) की नामपट्टिका का अनावरण किया और एक सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक एस.टी. सोमशेखर, रवि सुब्रमण्यम, उदय गरुड़ाचार, शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरि नाथ, जीबीए के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव, नगर निगमों के आयुक्त और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## मुलाकात

बेंगलूरु में बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से कावेरी स्थित उनके आवास पर भारती विष्णुवर्धन और अनिरुद्ध विष्णुवर्धन ने मुलाकात की और एक अनुरोध प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विष्णु स्मारक के निर्माण के लिए 10 गुंटा ज़मीन आवंटित की जाए। सरकार विष्णु जन्मोत्सव के अंतर्गत ज़मीन आवंटित करे। भारती विष्णुवर्धन ने अनुरोध किया है कि उन्हें 'कर्नाटक रत्न' प्रदान किया जाए।

# मंत्री ने भाजपा नेताओं को पीड़िता की मां के साथ अपनी बातचीत सार्वजनिक करने की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं को कथित तौर पर बलात्कार और हत्या मामले में पीड़िता की मां के साथ अपनी बातचीत सार्वजनिक करने की चुनौती दी। वर्ष 2012 में 17 वर्षीय एक छात्रा की 'धर्मस्थल' में कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने सोमवार को 'धर्मस्थल चलो' रैली के दौरान पीड़िता के परिवार से मुलाकात की।

पार्टी ने दक्षिण कन्नड़ जिले के 'धर्मस्थल' में मार्च का आयोजन किया और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस इस आरोप का सहारा लेकर मंजूनाथ स्वामी मंदिर को बदनाम कर रही है कि 'धर्मस्थल' और उसके आसपास कई युवतियों और छात्राओं के शव दफनाए गए हैं। आरोपों की सच्चाई की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 'धर्मस्थल' में तब कई स्थानों की खुदाई की, जब एक नकाबपोश व्यक्ति ने दावा किया कि उसने सैकड़ों ऐसे शवों को दफनाया है। बाद में इस व्यक्ति की पहचान सी एन चिन्नैया के रूप में हुई।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में जानना चाहा कि क्या भाजपा नेताओं, जिन्होंने 'धर्मस्थल चलो' का आयोजन किया था और आरोप लगाया था कि धर्मस्थल के बारे में एक साजिश और झूठा प्रचार चल रहा है, में दुनिया को यह बताने का साहस था कि पीड़िता की मां ने उन्हें क्या बताया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे ने कहा, 'भाजपा की कर्नाटक इकाई के नेता पीड़िता की मां के बयान पर कोई प्रतिक्रिया दिए बिना चुप क्यों रहे? आपकी अपनी पार्टी कहती है कि उन्होंने (पीड़िता की मां) पीड़िता के नाम पर पैसा कमाया है और इतना बड़ा घर बनवाया है?'

खरगे ने पूछा, ''पीड़िता की मां ने उन्हीं लोगों के खिलाफ शिकायत की, जिनकी ओर से भाजपा धर्मस्थल गई थी। पीड़िता की मां की बात सुनने के बाद मंच पर बैठे कर्नाटक भाजपा के नेताओं को कैसा महसूस हुआ?'' उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि भाजपा पीड़िता के पक्ष में है या विरोध में। क्या भाजपा नेता अपने शब्दों पर खरे उतरेंगे, जिन्होंने छात्रा की मौत के लिए न्याय का वादा किया था, जबकि उसकी मां ने स्पष्ट शब्दों में बताया था कि वह किससे न्याय चाहती हैं।' उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा नेताओं ने घोषणा की थी कि वे पीड़िता की कानूनी लड़ाई के लिए आर्थिक मदद देंगे। उन्होंने कहा कि क्या उन्हें पता है कि यह कानूनी लड़ाई किसके खिलाफ होगी?

सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री ने पोस्ट में विजयेंद्र और पीड़िता के परिवार के बीच बातचीत का वीडियो क्लिप भी साझा किया। वीडियो में पीड़िता के एक रिश्तेदार कहते सुनाई दे रहे हैं, मैंने ही उससे आखिरी बार बात की थी। उसके पांच मिनट बाद ही उसका अपहरण कर लिया गया। पीड़िता की मां ने कहा, ''मेरी बेटी का क्या? मेरी बेटी को मार दिया गया है। जब मैं न्याय मांगने जाती हूं, तो मुझे इस तरह से धमकाया जाता है। देखिए, आपकी पार्टी के लोग यही कह रहे हैं। उन्होंने बहुत बड़ा घर बनाया है। वे कहते हैं कि उन्होंने पीड़िता के नाम पर एक बड़ा घर बनाया है, सर। तो मेरी बेटी को न्याय नहीं मिलेगा, सर?'' उन्होंने दावा किया कि उनके पति और भाई को कुछ प्रभावशाली लोगों ने धमकाया और अदालतों तथा कार्यालयों में पैसा बर्बाद न करने को कहा और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की भी धमकी दी गई।

# अंजनाद्री पहाड़ी का विकास में पर्यटन, पौराणिक एवं आध्यात्मिक महत्व झलके : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में बुधवार को कावेरी निवास पर अंजनाद्री क्षेत्र के विकास के संबंध में आयोजित बैठक हुई। बैठक में कई निर्णल लिए गए। बुजुर्गों को पहाड़ी की चोटी तक पहुँचने के लिए आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करना और इसके लिए परिक्रमा मार्ग के निर्माण आदि पर चर्चा की गई। हनुमान जयंती के दौरान लाखों लोग इस पहाड़ी पर आते हैं। उत्तर भारत से भी बड़ी संख्या में पर्यटक इस क्षेत्र में आते हैं। तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए शयनगृह की सुविधा, वरिष्ठ श्रद्धालुओं के लिए पहाड़ी पर चढ़ने हेतु सीढ़ियाँ, एक सामुदायिक भवन का निर्माण और अन्य पर्यटन सुविधाओं का विकास क्षेत्र में किया जाना चाहिए।

उक्त क्षेत्र के लिए चरण-1 और चरण-2 में 200 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत किए गए हैं, और विभाग द्वारा अब तक उक्त कार्यों के लिए 10 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं, तथा शेष अनुदान जारी करने के लिए वित्त विभाग द्वारा अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया जाना है।

स्वीकृत कार्यों के लिए सरकारी भूमि की कमी के कारण, अनुदान के अभाव में आवंटित 77.28 एकड़ निजी भूमि का अधिग्रहण संभव नहीं हो पाया है। अतः वित्त विभाग को अतिरिक्त भूमि सहित कुल 101.30 एकड़ निजी भूमि के अधिग्रहण हेतु आवश्यक धनराशि उपलब्ध करानी चाहिए। चूँकि अधिकांश स्वीकृत कार्य वन विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाली भूमि पर किए जाने हैं, इसलिए यह सुझाव दिया गया कि वन विभाग इन सभी कार्यों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करे और आवश्यक कदम उठाए।

### अंजनाद्री पहाड़ियों के लिए रोपवे निर्माण कार्य

वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा के अनुसार, सरकार ने सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत अंजनाद्री पहाड़ियों सहित राज्य के 11 पर्यटन स्थलों में रोपवे के विकास को मंजूरी दी है। इस अवसर पर मंत्री एच.के. पाटिल, अतिरिक्त मुख्य सचिव अंजुम परवेज और पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# जक्कुर हवाई अड्डे के विस्तार और भूमि उपयोग पर विचार : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि जक्कुर हवाई अड्डे के रनवे के विस्तार पर विचार किया जा रहा है और सरकार इस भूमि का सार्वजनिक उपयोग के लिए पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के लिए क्या कर सकती है। उन्होंने बुधवार को जक्कुर सरकारी उड़ान प्रशिक्षण विद्यालय और हवाई अड्डे के विकास पर एक बैठक के बाद मीडिया से बात की।

इस संबंध में सरकार के समक्ष दो परियोजनाएँ हैं। यहाँ बन रहे फ्लाईओवर से कुछ असुविधा हो रही है। हमें पहले इस फ्लाईओवर के निर्माण की जानकारी नहीं थी। यहाँ 200 एकड़ से ज़्यादा ज़मीन है और जक्कुर उड़ान प्रशिक्षण विद्यालय चल रहा है।

सरकार ने इस पर विचार किया है और रनवे विस्तार के आस-पास की ज़मीन का अधिग्रहण करना है। इसके लिए तीन एकड़ से ज़्यादा ज़मीन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मालिक का कहना है कि ज़मीन नहीं दी जाएगी और क़ीमत भी ज़्यादा है। उपलब्ध ज़मीन का उपयोग कैसे किया जाए, इस पर भी विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विमानन प्रशिक्षण स्कूल चलाने के लिए अदालत का आदेश है और सरकार इस पर विचार कर रही है कि वह और क्या कर सकती है।

# 'सरकार को बाढ़ से हुए 'नुकसान' के बाद किसानों का कर्ज माफ करना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल(एस) के नेता निखिल कुमारस्वामी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार से राज्य में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलों को हुई व्यापक क्षति के बाद किसानों के ऋण माफ करने का बुधवार को आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी भी मंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा नहीं किया है। निखिल ने कहा कि नुकसान का आकलन करने और किसानों की चिंताओं को दूर करने को लेकर सरकार को एक रिपोर्ट सौंपने के उद्देश्य से जद (एस) की एक टीम अगले सप्ताह विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेगी।उन्होंने कहा, सत्तर प्रतिशत नुकसान उत्तरी कर्नाटक में हुआ है, जहां कपास और दालें उगाई जाती हैं... सरकार को जिम्मेदारी दिखाते हुए किसानों का कर्ज माफ करना चाहिए। निखिल ने, किसानों ने भारी कर्ज लिया हुआ है और उनके कंधों पर बोझ है। सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। हम इस संबंध में सरकार पर दबाव डालेंगे। दौरे के बाद, हम स्थिति स्पष्ट कर देंगे।

# मैसूरु जिला प्रशासन ने दशहरा उद्घाटन के लिए बानू मुश्ताक को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित कुछ वर्गों की आपत्तियों के बावजूद मैसूरु जिला प्रशासन ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को इस वर्ष के 'मैसूरु दशहरा' का उद्घाटन करने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया है। मैसूरु उपायुक्त (डीसी) लक्ष्मीकांत रेड्डी जी. के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम यहां मुश्ताक के आवास पहुंची और उन्हें पारंपरिक रेशमी शॉल और मैसूरु पेटा (पगड़ी) से सम्मानित करने के बाद निमंत्रण दिया। मैसूरु में दशहरा उत्सव 22 सितंबर से शुरू होगा और दो अक्टूबर को 'विजयादशमी' पर समाप्त होगा।

मैसूरु डीसी ने निमंत्रण देने के बाद कहा, ''मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 22 सितंबर को चामुंडी पहाड़ी पर मैसूरु दशहरा-2025 का उद्घाटन करने के लिए बानू मुश्ताक को चुना है। उन्होंने मैसूरु जिला प्रशासन को उन्हें सम्मानपूर्वक आमंत्रित करने का निर्देश दिया था और तदनुसार जिला प्रशासन ने हासन आकर उन्हें आमंत्रित किया है। उन्होंने खुशी-खुशी निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।'' मुश्ताक ने उन्हें 'नाड हब्बा' (राज्य उत्सव) दशहरा का उद्घाटन करने का सम्मान देने के लिए कर्नाटक के लोगों, सरकार, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और मैसूरु जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने हाल के घटनाक्रमों पर कोई टिप्पणी नहीं की, जिनमें उन्हें आमंत्रित करने को लेकर उठे विवाद भी शामिल है।

बानू मुश्ताक का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद, भाजपा नेताओं और अन्य लोगों ने राज्य सरकार द्वारा लेखिका को दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के फैसले पर आपत्ति जताई है। वीडियो में, मुश्ताक को कथित तौर पर कन्नड भाषा को 'देवी भुवनेश्वरी' के रूप में पूजा करने पर आपत्ति जताते और यह कहते सुना जा सकता है कि यह उनके जैसे लोगों (अल्पसंख्यकों) के लिए बहिष्कारपूर्ण है।

भाजपा के कई नेताओं ने मुश्ताक से दशहरा का उद्घाटन करने की सहमति देने से पहले देवी चामुंडेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धा स्पष्ट करने को कहा है। हालांकि, मुश्ताक ने कहा है कि उनके पुराने भाषण के चुनिंदा हिस्सों को सोशल मीडिया पर वायरल करके उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। दशहरा का उद्घाटन पारंपरिक रूप से मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों के ऊपर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मैसूरु और उसके राजघरानों की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति पर पुष्प वर्षा करके किया जाता है। भाजपा पर मैसूरु दशहरा का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए, सिद्दरामय्या ने कहा है कि यह त्योहार सभी समुदायों के लोग 'नाड हब्बा' के रूप में मनाते हैं और लेखिका बानू मुश्ताक को अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीतने पर उन्हें सम्मानित करने के लिए इसका उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

# अमेरिकी टैरिफ युद्ध के बीच देवेगौड़ा ने मोदी के प्रयासों की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अमेरिका की ओर से अनुचित और अन्यायपूर्ण 'टैरिफ युद्ध' शुरू किए जाने के बाद प्रधानमंत्री द्वारा सक्रिय रूप से विकल्प तलाशने के प्रयासों की सराहना करते हुए जनता दल (एस) के प्रमुख एच डी देवेगौड़ा ने बुधवार को कहा कि कई वैश्विक शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाने संबंधी नरेन्द्र मोदी की नीति निकट भविष्य में भरपूर फायदा पहुंचायेगी। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने कहा कि अमेरिका को अंततः अपने रुख पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है, क्योंकि ''धर्म'' भारत के पक्ष में है, और यह देश आर्थिक, जनसांख्यिकीय और लोकतांत्रिक लाभों का ऐसा मिश्रण प्रदान करता है, जैसा दुनिया में कोई अन्य देश नहीं करता।

देवेगौड़ा ने मोदी को लिखे एक पत्र में कहा, ''मैंने आपकी जापान और चीन यात्रा की खबरों पर बारीकी से नजर रखी। लाखों भारतीयों की तरह मुझे भी राहत मिली है कि अमेरिका द्वारा अनुचित और अन्यायपूर्ण टैरिफ युद्ध शुरू करने के बाद आप सक्रिय रूप से वैकल्पिक उपाय तलाश रहे हैं। मुझे विश्वास है कि आपकी यात्रा बहुत सफल रही होगी और भारत को आपकी वार्ताओं और नयी योजनाओं का फायदा मिलेगा।''

उन्होंने कहा कि वह एक ''नई जागृति'' के प्रतीक हैं और संभवतः एक नयी विश्व व्यवस्था की शुरुआत है जिसके केंद्र में भारत होगा। यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के बारे में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करने के लिए मोदी की प्रशंसा करते हुए देवेगौड़ा ने कहा, ''आप इस मुद्दे पर लगातार नजर बनाये हैं और मुझे विश्वास है कि इस संबंध में भारत के शब्दों को कहीं अधिक गंभीरता से लिया जाएगा क्योंकि वे ईमानदारी से भरे हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''समय बदल गया है और हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए एक नयी भाषा की आवश्यकता है। हमें अपनी आवश्यकताओं के अनुसार, अपनी शर्तों पर, लेकिन साथ ही अपनी विशाल सभ्यतागत गरिमा के साथ, दुनिया के साथ बातचीत करनी चाहिए। इससे भारत अपनी अलग पहचान बना सकेगा।''

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी भारत के समक्ष चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं, वह भी अपने मूल मूल्यों का त्याग किए बिना।

# सबसे खुशी का पल दर्दनाक बन गया, बेंगलूरु भगदड़ पर बोले कोहली

बेंगलूरु। भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल खिताब जीतने के जश्न में चार जून को हुई भगदड़ के बारे में कहा है कि यह उनकी टीम का सबसे खुशी का दिन हो सकता था जो 11 लोगों की मौत के बाद दर्दनाक बन गया। आरसीबी के 18 साल में पहली बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर जश्न के लिये ढाई लाख प्रशंसकों के जमा होने के बाद भगदड़ मच गई थी। कोहली ने आरसीबी के एक्स हैंडिल पर कहा, ''आप कभी भी इस तरह दिल तोड़ने वाली घटना का सामना नहीं करना चाहते । जो हमारी टीम के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था, वह एक दुखद घटना में बदल गया।''

# मिलाद-उन-नबी पर विदेशी उपदेशकों को अनुमति नहीं है : मंत्री परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने पांच सितंबर को यहां अंतरराष्ट्रीय मिलाद-उन-नबी सम्मेलन का आयोजन करने जा रही 'ज्वाइंट मिलाद कमेटी' को बुधवार को याद दिलाया कि भारत में धार्मिक आयोजनों में विदेशियों के भाग लेने या उपदेश देने पर प्रतिबंध है। आयोजकों के अनुसार यहां पैलेस ग्राउंड में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में हजारों लोगों के शामिल होने की संभावना है।

आयोजकों ने यमन के सूफी संत हबीब उमर बिन हफीज और भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबू बकर अहमद मुसलियार को भी आमंत्रित किया है। मंत्री ने कहा कि कानून का पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस कार्यक्रम की निगरानी करेगी। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने (पुलिस ने) कार्यक्रम आयोजित करने वाले आयोजकों को सूचित किया है कि भारतीय कानूनों के तहत विदेशियों के लिए धार्मिक आयोजनों में उपदेश देने या भाग लेने की कोई गुंजाइश नहीं है...।'' उन्होंने कहा कि हो सकता है कि विदेशी धार्मिक विद्वानों को आमंत्रित किया गया हो, लेकिन पुलिस ने आयोजकों को नियमों के उल्लंघन से बचने के लिए उन्हें आमंत्रित न करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने कहा कि विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) इस आयोजन पर नजर रखेगा।

## सुविचार

**धैर्य वह कला है जो आपको आपकी मंजिल तक पहुंचाती है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# उद्यमिता : उम्मीद की रोशनी

पंजाब सरकार ने अपने स्कूलों की 11वीं कक्षा में उद्यमिता को एक मुख्य विषय के तौर पर पढ़ाने का फैसला कर अच्छी पहल की है। अन्य राज्य सरकारों को भी इस दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। भारत में बेरोजगारी की जो स्थिति है, उसमें उद्यमिता कई युवाओं के लिए उम्मीद की रोशनी लेकर आ सकती है। देश में 140 करोड़ से ज्यादा लोग होने का सीधा-सा मतलब है- 'बहुत बड़ा बाजार'। यहां फिर भी बेरोजगारी है तो इसका मतलब है- 'व्यवस्था में ही खामियां मौजूद हैं'। देश में बेरोजगारी इसलिए है, क्योंकि यहां सरकारी नौकरी को एकमात्र रोजगार समझ लिया गया है। उद्यमिता को तो अंतिम विकल्प माना जाता है। युवाओं के मन में यह बात बैठा दी गई है कि 'आपको नौकरी ही करनी है; वह भी ऐसी, जिसमें वेतन ज्यादा और मेहनत कम हो।' ऐसी नौकरियां कितनी हैं और भविष्य में उनका स्वरूप कैसा रहेगा? आज कई परिवारों में सफलता का एकमात्र पैमाना ऐसी नौकरी को माना जाता है, जिसमें पैसा भरपूर मिले, काम कम से कम करना पड़े। क्या हम भारत को इस तरह आर्थिक महाशक्ति बना सकेंगे? अगर यही सोच अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान जैसे देशों में होती तो क्या वे इतनी उन्नति कर पाते? भारत में नौकरियों, उनमें भी सरकारी नौकरियों के प्रति इतना आकर्षण इसलिए पैदा हुआ है, क्योंकि युवाओं को उद्यमिता की जानकारी नहीं दी गई। जब उन्हें कोई हुनर नहीं सिखाया गया तो वे क्या करेंगे? नौकरी ढूंढ़ना उनकी मजबूरी है।

देश में रोजगार बढ़े, घरों में खुशहाली आए, इसके लिए उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। इसे एक मुख्य विषय के तौर पर भले ही 11वीं कक्षा से पढ़ाया जाए, लेकिन प्रारंभिक जानकारी छठी कक्षा से देनी चाहिए। पाठ्यक्रम में 'अर्थतंत्र क्या है, बाजार कैसे चलता है, मांग क्या है, पूर्ति क्या है, कारोबारी प्रतिष्ठानों में काम कैसे होता है, अपनी रुचि को कैसे पहचानें' - जैसे सवालों को शामिल किया जाए। बच्चों को समय-समय पर बाजारों, प्रतिष्ठानों का भ्रमण कराया जाए। डिजिटल मार्केटिंग सबको सिखाई जाए। उदाहरण के लिए, अगर किसी कक्षा के बच्चों को केक खाना बहुत पसंद है तो उन्हें नजदीकी बेकरी का भ्रमण कराया जाए। उन्हें बताया जाए कि आपको स्वादिष्ट लगने वाले केक कैसे बनाए जाते हैं, कैसे सजाए जाते हैं, कैसे पैक किए जाते हैं, कैसे घरों तक पहुंचाए जाते हैं ... और कैसे सोशल मीडिया पर इनके आकर्षक वीडियो पोस्ट किए जाते हैं! कभी बेकरी के मालिक या कर्मचारियों को स्कूल में आमंत्रित किया जाए। इसी तरह, अन्य प्रतिष्ठानों का भ्रमण कराया जाए। उनके कामकाज के तरीकों के बारे में समझाया जाए। इससे बच्चों के मन में जिज्ञासा पैदा होगी और जब वे 10वीं कक्षा पास कर लेंगे, उनके मन में अपने भविष्य को लेकर स्पष्ट छवि होगी। आज स्थिति यह है कि कॉलेज की पढ़ाई के बाद भी कई युवाओं को मालूम नहीं कि वे क्या बनना चाहते हैं! इसमें उनका दोष नहीं है। जब व्यवस्था ही ऐसी चली आ रही है तो वे उद्यमी कैसे बनेंगे? हर व्यक्ति उद्यमी बन भी नहीं सकता। जिसकी रुचि हो, वही बने, लेकिन ऐसी व्यवस्था का निर्माण होना चाहिए, जो उद्यमिता को लेकर रुचि पैदा कर सके। जो युवा शिक्षक, डॉक्टर, वैज्ञानिक, बैंकर आदि बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं, उन्हें अपनी पसंद के क्षेत्र में जरूर जाना चाहिए। देश में रोजगार के बहुत सारे विकल्प होने चाहिएं, ताकि बेरोजगारी जैसी कोई समस्या ही न रहे। यह उसी स्थिति में संभव है, जब उद्यमिता को बढ़ावा मिले।

## ट्वीटर टॉक

देश को नक्सलमुक्त बनाना मोदी सरकार का संकल्प है। जब तक सारे नक्सली या तो आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएँ या समाप्त न हो जाएँ, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। इस संकल्प को पूरा करने में हमारे सुरक्षाबलों के त्याग और समर्पण पर पूरे देश को गर्व है।

**-अमित शाह**

त्रिपुरा में तैनात बीएसएफ के जवान एवं बायतू के ग्राम चिमनजी निवासी श्री उगराराम पोटलिया की शहादत का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर वीर शहीद की पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

**-दीया कुमारी**

मोदी जी, पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी स्थिति बेहद चिंताजनक है। ऐसे मुश्किल समय में आपका ध्यान और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद अत्यंत आवश्यक है। हज़ारों परिवार अपने घर को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

**-राहुल गांधी**

## प्रेरक प्रसंग

# मां की सीख

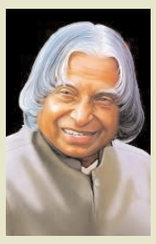

मिसाइल मैन कलाम का बचपन अपनी माता की उदारता तथा पिता के अनुशासन को देखते हुए बीता। बालक कलाम की अम्मी गमले में फूलों के पौधे लगाती थी। फूल उग जाते थे तो आसमान की तरफ देखकर अल्लाह की कुदरत और मेहर का शुकराना अदा करती थी। यह देखकर बालक कलाम हैरान हो जाते। एक बार वह पूछ बैठे कि अम्मी एक सवाल है जेहन में। आप ही निराई और गुड़ाई करती हो और मैंने पाठशाला में यह सीखा है कि बीज से ही पौधा बनता है। फिर आप रोजाना सींचती हो तो इसमें फूल खिलते हैं। तब भी आप आसमान की तरफ दुआ में हाथ उठा देती हो। यह मुझे समझ में नहीं आता है। वो इसलिए कलाम कि मुझमें कहीं गुरूर न पैदा हो। मैं इतराने न लगूं। इसलिए मैं उस परवरदिगार का शुकराना अदा करती हूं। कलाम ने अपनी आखिरी सांस तक अम्मी की यह सीख दिल में सहेज कर रखी। इसीलिए वह जीवन में इतने ऊंचे उठे।

## सामयिक

# डिजिटल युग में शिक्षक की भूमिका हुई अधिक महत्वपूर्ण

संदीप सृजन

मोबाइल : 9406649733

डिजिटल युग ने शिक्षा के परिदृश्य को पूर्णतः परिवर्तित कर दिया है। पहले शिक्षक कक्षा में ब्लैकबोर्ड और पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान प्रदान करते थे, किन्तु आज वे डिजिटल उपकरणों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑनलाइन मंचों के साथ मिलकर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। आज जब हम डिजिटल परिवर्तन के शिखर पर हैं, शिक्षक की भूमिका केवल ज्ञान वितरक से बदलकर मार्गदर्शक, परामर्शदाता और नवप्रवर्तक की हो गई है। आज शिक्षक डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर शिक्षा को अधिक समावेशी, व्यक्तिगत और प्रभावशाली बना रहे हैं। डिजिटल युग की शुरुआत इंटरनेट और कंप्यूटर के प्रसार से हुई, परन्तु 2020 की कोविड-19 महामारी ने इसे तीव्र गति प्रदान की। ऑनलाइन कक्षाएँ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स ने शिक्षा को घर-घर तक पहुँचाया। युनेस्को की सन 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में 80% से अधिक छात्र डिजिटल उपकरणों से जुड़े हैं। इस परिवर्तन में शिक्षक की भूमिका केंद्रीय है। वे अब केवल लेक्चर देने वाले नहीं, अपितु डिजिटल सामग्री निर्माता (कंटेंट क्रिएटर) हैं, जो वीडियो,इंटरएक्टिव क्विज और वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से शिक्षा प्रदान करते हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से, शिक्षा हमेशा तकनीकी प्रगति से प्रभावित रही है। प्राचीन काल में गुरुकुल प्रणाली मौखिक थी, मध्ययुग में पुस्तकों का आगमन हुआ और अब डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन शिक्षण ने क्रांति ला दी है। ओईसीडी की हाल की रिपोर्ट में उल्लेख है कि शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा के लिए प्रशिक्षित करना आवश्यक है, ताकि वे छात्रों को जोखिमों से बचाते हुए लाभ प्रदान कर सकें।

डिजिटल युग में शिक्षक की प्राथमिक भूमिका मार्गदर्शक की है। वे छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित और निर्देशित करते हैं, न कि केवल सूचना प्रदान करते हैं। आज फ्लिप्ड क्लासरूम में छात्र घर पर वीडियो देखते हैं और कक्षा में विचार-विमर्श करते हैं। शिक्षक यहाँ मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं, जो छात्रों की जिज्ञासा को सही दिशा देते हैं। दूसरी भूमिका परामर्शदाता की है। डिजिटल युग में सूचनाओं की प्रचुरता के बावजूद, छात्रों को सही दिशा की आवश्यकता होती है। शिक्षक व्यक्तिगत शिक्षण पथ तैयार करते हैं, जहाँ एआई के माध्यम से छात्र की कमजोरियों का विश्लेषण होता है और शिक्षक व्यक्तिगत फीडबैक प्रदान करते हैं। तीसरी भूमिका नवप्रवर्तक की है। शिक्षक डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर नवीन शिक्षण विधियाँ विकसित करते हैं। उदाहरण के लिए, वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से इतिहास की घटनाओं को जीवंत करना या खेल- आधारित शिक्षण द्वारा गणित सिखाना। एक अध्ययन के अनुसार, डिजिटल मंच शिक्षकों के ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा देते हैं, जिससे वे वैश्विक स्तर पर सहयोग कर पाते हैं।

डिजिटल युग में शिक्षकों के समक्ष कई चुनौतियाँ हैं। सबसे बड़ी चुनौती है डिजिटल डिवाइड। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और उपकरणों की कमी के कारण छात्र पिछड़ जाते हैं। युनेस्को के अनुसार, सन 2025 में भी विकासशील देशों में 40 प्रतिशत शिक्षक डिजिटल उपकरणों से अपरिचित हैं। शिक्षकों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है, किन्तु कई देशों में यह अपर्याप्त है। ओईसीडी की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि डिजिटल शिक्षा के लिए शिक्षकों को सक्षम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। दूसरी चुनौती साइबर सुरक्षा और गोपनीयता की है। ऑनलाइन कक्षाओं में डेटा लीक का खतरा रहता है। शिक्षकों को छात्रों को साइबर धमकी से बचाने की आवश्यकता है। साथ ही, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से साहित्यिक चोरी बढ़ सकती है, जिसके लिए शिक्षकों को मूल्यांकन विधियों में परिवर्तन करना पड़ता है। अनिच्छुक शिक्षकों को प्रौद्योगिकी अपनाने में सहायता की आवश्यकता है।

मानसिक स्वास्थ्य भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। डिजिटल कक्षाएँ शिक्षकों पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जैसे 24 घण्टे उपलब्धता। एक अध्ययन के अनुसार, कई शिक्षक कार्यभार के कारण तनावग्रस्त हो रहे हैं। चुनौतियों के बावजूद, डिजिटल युग शिक्षकों के लिए अवसरों से परिपूर्ण है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षकों को नियमित कार्यों, जैसे ग्रेडिंग या लेसन प्लानिंग से मुक्त करती है, जिससे वे रचनात्मकता पर ध्यान दे सकें। कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सीओएल) की सन 2025 की रिपोर्ट में उल्लेख है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षकों को सशक्त बनाती है। उदाहरण के लिए एआई टूल्स छात्रों की प्रगति का अनुसरण करते हैं और शिक्षकों को अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी शिक्षा को गहन बनाते हैं। शिक्षक वर्चुअल टूर्स आयोजित करते हैं, जैसे मंगल ग्रह की सैर या ऐतिहासिक घटनाओं का अनुभव। अमेरिकन एसपीसीसी के अनुसार, डिजिटल युग में शिक्षा का विकास हो रहा है, जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं।

व्यक्तिगत शिक्षण एक बड़ा अवसर है। डिजिटल उपकरण छात्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप सामग्री अनुकूलित करते हैं। शिक्षक डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर छात्रों की सहायता करते हैं। लिंक्डइन के एक लेख में सन 2025 में एआई-पावर्ड क्लासरूम्स की चर्चा है, जहाँ शिक्षक एआई को सहायक के रूप में उपयोग करते हैं। वैश्विक स्तर पर, नाइजीरिया जैसे देशों में टीआरसीएन डिजिटल पोर्टल शुरू कर शिक्षकों को आधुनिक बना रहा है। भारत में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 डिजिटल शिक्षा पर बल देती है। शिक्षक दिक्षा और स्वयं जैसे मंचों का उपयोग करते हैं। किन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी की कमी जैसी चुनौतियाँ हैं। सन 2025 में, भारतीय शिक्षक कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत कर रहे हैं, परन्तु प्रशिक्षण की कमी एक बाधा है।

कुछ समय में शिक्षक की भूमिका और अधिक विकसित होगी। मेटावर्स में आभासी कक्षाएँ (वर्चुअल क्लासरूम्स) होंगी, जहाँ छात्र अवतार के रूप में भाग लेंगे। शिक्षक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ सहयोग करेंगे, किन्तु मानवीय संपर्क का महत्व बना रहेगा। एनसी स्टेट यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग में शिक्षकों का मानवीय संबंध अधिक महत्वपूर्ण है। शिक्षकों को निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता है। सरकारों को निवेश करना चाहिए, जैसे ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर एजुकेशन (जीपीई) जो प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करता है। भविष्य में, शिक्षक सृजन अर्थव्यवस्था (क्रिएटर इकोनॉमी) का हिस्सा बनेंगे, जैसे सेजटूलर्न मंच पर पाठ्यक्रम बनाकर आय अर्जित करेंगे।

डिजिटल युग में शिक्षक की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। वे सृजनकर्ता हैं, जो डिजिटल उपकरणों के माध्यम से शिक्षा को सशक्त बनाते हैं। चुनौतियाँ हैं, परन्तु अवसर अधिक हैं। समाज को शिक्षकों का समर्थन करना चाहिए, ताकि वे छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर सकें। जैसा कि हायर एजुकेशन रिव्यू में उल्लेखित है, शिक्षक शिक्षण के मार्गदर्शक, सहयोगी और आजीवन शिक्षार्थी हैं। अंततः, डिजिटल युग शिक्षक को एक सुपरहीरो बनाता है, जो प्रौद्योगिकी और मानवता के बीच संतुलन स्थापित करता है।

## नजरिया

# विरल व्यक्तित्व अध्यात्म योगी आचार्य भिक्षु

मुनि चैतन्य कुमार अमन

संसार में विरले ही लोग होते है जिन्हें फूलों की सुवास का अहसास होता है जिस व्यक्ति को संसार की नश्वरता का बोध हो जाता है। वे अपने जीवन में मोहमयी जगत रचना से ऊपर उठकर आत्म कल्याण के मार्ग पर प्रस्थान कर देते हैं। चाहे मार्ग में कितने नुकीले कांटे भी क्यों न हो। वे उन कांटों भरी राह में अपने पथ का निर्धारण कर लेते है। सत्य की राह पर चलना किसी नुकीले कांटों पर चलने से कम नहीं होता। आचार्य श्री भिक्षु उन्हीं नुकीले कांटो पर चलना स्वीकार किया। उन्हें यह ज्ञात था कि मैंने जिस राह को चुना है वह सत्य की राह कठिनाईयों से भरी है। पग-पग पर अवरोध होंगे पर मुझे डरना नही होगा। हर कष्ट का सामना वीरता के साथ करना होगा। मंजिल ऐसे ही थोड़े मिल जाती है। मंजिल पाने के लिए विश्वास जरूरी है। आत्मविश्वास का मधुमास ही मंजिल को पास लाने वाला होता है। रण में लड़ने वाला योद्धा ही विजयश्री हासिल कर सकता है। उसी प्रकार जीवन में साधना के संग्राम में उतरकर ही सत्य का साक्षात्कार कर सकता है।

आचार्य भिक्षु का व्यक्तित्व बेजोड़ था। ऐसे व्यक्ति विरले ही होते है जिनका अवतरण शताब्दियों सहसब्दियों में कभी-कभार ही होता है। उनका वो श्यामवर्ण, दीर्घ व लम्बा कद, चमकता पल-पलाट करता भाल, दीप्तिमान हंसमुख चेहरा, ओज और तेज से परिपूर्ण था। ओजस्वी वाणी में माधुर्य व चुम्बकीय शक्ति थी जो एक बार सम्पर्क में आने वाले को अपना बना लेती थी। कहा जाता है जब प्रवचन करते तब श्रोताओं को आषाढ़ मास की मेघ गर्जना व सिंहनाद की अनुभूति होती थी। आचार्य भिक्षु का सम्पूर्ण जीवन की अध्यात्म यात्रा आत्माराधना व वीतराग साधना में बीता। तत्कालीन साधु समुदाय में व्याप्त सिद्धान्त विपर्यास के कारण उन्होंने गुरु के मोह को त्याग कर अभिनिष्क्रिमण किया। उनमें न तो कोई पद के प्रति लालसा थी न ही कोई शिष्यों का मोह, लोकेषणा और महत्वकांक्षा का भाव था। उनकी अन्तर भेदी वाणी से श्रावक समाज को एक नया युगबोध मिला। गुरु के मोह को त्यागकर सत्य

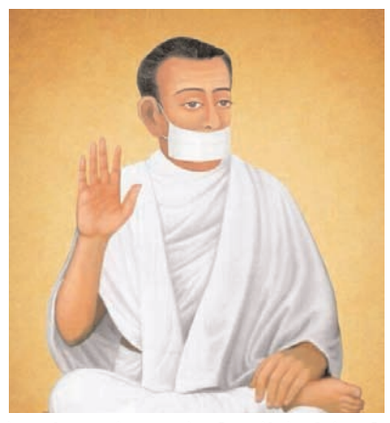

के मार्ग पर बढ़ते हुए उनके जीवन में घोर विरोध भी हुआ अनेक कष्टों का सामना हुआ। यहां तक कि जीवन यापन की अनिवार्य आवश्यकताएं भोजन-पानी तथा रहने के लिए स्थान भी उपलब्ध नहीं होता था। ऐसी विषम परिस्थिति में भी उनका मनोबल अडिग रहा। धैर्य अडोल रहा अपने आत्मधर्म व सत्यमार्ग पर निर्भीकता के साथ बढ़ते रहे। उनके आत्मबल को दुनियां की कोई ताकत हिला नहीं सकी उसी का परिणाम उन्हें विजयश्री हासिल हुई। उनका धार्मिक क्षेत्र में यह कदम तेरापंथ का उद्भव हुआ। सुदृढ़ मर्यादाएं, एक आचार एक विचार, एक आचार्य केन्द्रित यह धर्मसंघ जैन धर्म में सिरमोर बना हुआ है। अढ़ाई सौ से चलते हुए इस धर्मसंघ को आचार्य भिक्षु ऐसा वरदहस्त प्राप्त है कि अनेक अनेक जटिल परिस्थितियों में भी अपनी आन-बान-शान के साथ विश्व मानस के लिए मार्गदर्शक बना हुआ काल के परिपाक के साथ स्वर्णिम आभा लिए हुए अपना वर्चस्व स्थापित किए हुए है। यह देने है आचार्य भिक्षु की शौर्य वीरता का जिनका तेरापंथ जन-जन के लिए मेरापंथ बना हुआ है वीर-महावीर का पंथ बना हुआ है। ऐसे सत्यनिष्ठ सत्यावतार आचार्य भिक्षु को कोटि-कोटि नमन। उनका समाधि स्थल सिरियारी जन-जन का आस्था केन्द्र है, जहां पर प्रतिवर्ष हजारों लाखों लोग जैन-अजैन की छतीस कौम पहुंचकर श्रद्धा नमन करता हुआ अपने आपमें धन्यता की अनुभूति करता है और करता रहेगा।

## मुद्दा

# ऑनलाइन मनी गेमिंग पर सरकार ने कसा शिकंजा

## सख्त कानून रोकेगा धन की बर्बादी

ज्ञानचंद जैन

जुए और सट्टे की लत लोगों को बर्बाद कर देती है। जुए के कारण पांडव अपना राज्य और पत्नी द्रोपदी तक को हार गए थे। जुआ बहुत बड़ी बुराई है। जिसे इसकी लत लग जाती है, वह अपना धन, जायदाद सबकुछ लुटा बैठता है। वह दांव पर दांव लगाता जाता है कि कभी तो जीतेगा। यही लालच उसे कंगाल कर देता है। अपनी हार से व्यथित होकर कुछ लोग आत्महत्या तक कर लेते हैं।

जुए के अनेक रूप होते हैं। इनमें ताश, चौपड़, सट्टा मुख्य हैं। आजकल जुआ ऑनलाइन गेमिंग का रूप ले चुका है। मोबाइल पर कई तरह के गेमिंग ऐप हैं, जो लोगों को लालच देकर अपने जाल में फंसाते हैं। लोग इस लालच में ऐसे फंसते हैं कि हजारों-लाखों रुपए गंवा बैठते हैं। चूंकि यह ऑनलाइन गेम है, तो इसमें उनका खाता भी खाली हो सकता है। अपने इस नुकसान को पूरा करने के लिए कुछ लोग चोरी तक करते हैं। कुछ लोग कर्ज लेकर नुकसान की भरपाई करने की सोचते हैं। इस तरह वे जुए के दलदल में बुरी तरह फंसते चले जाते हैं।

### कई परिवार पीड़ित

देश में काफी दिनों से ऑनलाइन मनी गेमिंग पर रोक लगाने की मांग की जा रही थी, क्योंकि इसके कारण कई परिवार बर्बाद हो चुके हैं। सरकार ने इस मांग को गंभीरता से लिया है। पिछले दिनों 'ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025' लोकसभा और राज्यसभा से पारित कर

दिया गया। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून भी बन गया। इसका उद्देश्य रियल मनी गेमिंग यानी पैसे लगाकर खेले जाने वाले गेम्स पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना है। सरकार इस कानून के जरिए ई-स्पोर्ट्स जैसे ऑनलाइन खेलों को बढ़ावा देगी, जिसमें कोई पैसा नहीं लगाना पड़ेगा। इससे देश में प्रतिस्पर्द्धी खेल के रूप में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिल सकेगा। यह कानून न केवल भारत में काम करने वाली कंपनियों पर, बल्कि विदेश से ऑपरेट होने वाले ऑनलाइन मनी गेमिंग ऐप्स और वेबसाइटों पर भी लागू होगा। कानून का उल्लंघन करने वालों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान रखा गया है। रियल मनी गेमिंग करने पर तीन साल तक की जेल या एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। कानून में इससे संबंधित विज्ञापनों पर भी रोक का प्रावधान है। आजकल फिल्म व खेल जगत से जुड़े मशहूर लोग ऑनलाइन गेमिंग का विज्ञापन कर रहे हैं। ये सोचते भी नहीं कि इस तरह के विज्ञापनों से नई पीढ़ी पर क्या प्रभाव पड़ेगा! अब इस तरह के विज्ञापन करने पर दो साल तक की जेल या 50 लाख रुपए तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं।

गेमिंग प्लेटफॉर्म के विज्ञापनों पर रोक लगाने के साथ ही बैंक और दूसरे वित्तीय संस्थानों को उन्हें मनी ट्रांजेक्शन रोकने का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि मनी गेमिंग के जाल में फंसकर कई लोग अपनी जिंदगीभर की जमा-पूंजी से हाथ धो बैठते हैं। सरकार इस तरह के जोखिम कम करने के लिए कानून लाई है। सरकार का कहना है कि वह लोगों को बर्बादी के रास्ते पर जाने से रोकेगी। उनके जीवन से खिलवाड़ नहीं होने देगी। सरकार का मानना है कि मनी गेमिंग की आड़ में कई कंपनियां मनी लांड्रिंग, आतंकवाद के लिए फंडिंग और आतंकवादी संगठनों द्वारा संदेश भिजवाने का काम भी कर रही हैं, जिससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। अनुमान है कि देश के करीब 45 करोड़ लोग ऑनलाइन गेमिंग के चंगुल में फंसे हुए हैं। इसके चक्कर में लोग सालाना 20 हजार करोड़ रुपए का नुकसान उठाते हैं। उक्त कानून लागू होने से लोग ऑनलाइन मनी गेम नहीं खेल पाएंगे। उनके 20 हजार करोड़ रुपए भी बचेंगे।

### सरकार का सराहनीय कदम

भारत सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के व्यापक विरोध के बावजूद वह इस पर प्रतिबंध लगाने के लिए विधेयक लाई और कानून बनाकर उसे लागू कर दिया। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इसका अनुपालन कराने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों पर होगी। उन्होंने भी इससे संबंधित तमाम प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं, ताकि कानून को सख्ती से लागू किया जा सके। कोई संदेह नहीं कि सरकार ने इस संबंध में बहुत सख्त कानून बनाया है। यह जरूरी था, क्योंकि मनी गेमिंग की लत लगने से लोग अपना पैसा तो गंवा ही रहे थे, कई युवाओं ने जान भी गंवा दी थी। समाज को सुधारने की दिशा में यह बहुत बड़ा कदम है। सरकार ने तो अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी। अब राज्य सरकारों पर निर्भर है कि वे इसे प्रभावी ढंग से लागू करें। साथ ही, जनता की भी जिम्मेदारी है कि वह राज्य सरकारों का साथ दे। किसी बुराई को छोड़ने के लिए कानून की जरूरत ही नहीं होनी चाहिए, लेकिन कोई बुराई जब नासूर बन जाए तो उसे फैलने से रोकने के लिए कानून बनाना पड़ता है। उम्मीद है कि ऑनलाइन गेमिंग बंद होने से लोग खुशहाल जिंदगी की ओर बढ़ सकेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# विनाशकारी सैलाब के बीच भी सिखों की जीवटता और मेहमाननवाजी कायम

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में चारों ओर सैलाब ही सैलाब है, लोगों के घर, फसलें और मवेशी डूब गए हैं। लेकिन परीक्षा की ऐसी कठिन घड़ी में भी पंजाब के लोगों की जीवटता, उनकी मजबूती, दृढ़ इरादों और सबसे बढ़कर उनकी मेहमाननवाजी की तारीफें हो रही हैं। सिख संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के स्वयंसेवक जब राहत सामग्री बांटने पहुंचे तो स्थानीय लोगों ने मेहमानों की तरह उनका स्वागत किया और उनके लिए चाय पानी का इंतजाम किया।

पंजाब इस समय हालिया इतिहास की सबसे भयावह बाढ़ का सामना कर रहा है। सतलुज, व्यास और रावी में उफनते सैलाब के साथ ही हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर के जलभराव वाले क्षेत्रों में भारी बारिश होने से छोटी नदियां भी तटबंधों को तोड़कर बह रही हैं जिससे बाढ़ की स्थिति और खराब हो रही है।

अधिकारियों के अनुसार, अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है और 3.50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। करीब 1.48 लाख हेक्टेयर भूमि से अधिक फसल बाढ़ में नष्ट हो गई।

गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फरीदकोट, होशियारपुर और अमृतसर जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं।

एनजीओ और सिख संगठनों ने सरकारी प्रयासों के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य जारी रखा है। स्वयंसेवकों ने बताया कि कई जगहों पर खेत 8-10 फुट पानी में डूब गए हैं और गांवों तक पहुंचने के लिए नावों का सहारा लेना पड़ रहा है।

कुछ ग्रामीणों ने संकटग्रस्त हालात के बावजूद राहतकर्मियों को चाय या दूध परोसकर उनका आतिथ्य सत्कार किया।

बाबा दीप सिंह सेवा दल के स्वयंसेवक जसविंदर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, कुछ लोग हमें चाय भी परोसते हैं।

गुरदासपुर के दिनानगर में भी नाव से राशन वितरित करते स्वयंसेवकों को एक परिवार ने चाय पिलाई जो खुद बाढ़ के पानी में डूबे अपने घर की छत पर रातें गुजार रहा है।

एक और इलाके में एक गांववाला थर्मस में चाय भरकर स्टील के गिलास हाथों में लिए दो .तीन फुट पानी में चलते हुए राहत सामग्री बांट रहे स्वयंसेवकों तक पहुंचा।

एनजीओ और संगठनों द्वारा चावल, दाल, सरसों का तेल, बिस्कुट, गेहूं का आटा, दवाइयां और पशु चारा वितरित किया जा रहा है।

समारोह

चीन की राजधानी बीजिंग में एक सैन्य परेड में मिलिशिया दस्ता शामिल हुआ। चीन ने बुधवार को जापानी आक्रमण के विरुद्ध चीनी जन प्रतिरोध युद्ध और विश्व फासीवाद-विरोधी युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक भव्य समारोह का आयोजन किया।

# धोनी की तरह 'कैप्टन कूल' बनना चाहती हैं पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना

नई दिल्ली/भाषा। आगामी आईसीसी वनडे विश्व कप में पाकिस्तान की कप्तानी करने जा रही फातिमा सना भारत के विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हैं और उन्हीं की तरह 'कैप्टन कूल' बनने की ख्वाहिश भी रखती हैं। अप्रैल में हुए क्वालीफायर्स में अपराजेय रहने वाली पाकिस्तानी टीम भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले वनडे विश्व कप में अपने अभियान का आगाज दो अक्टूबर को कोलंबो में बांग्लादेश के खिलाफ करेगी।

तेईस वर्ष की फातिमा ने लाहौर से भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा, विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में कप्तानी करने पर शुरू में थोड़ा नर्वस होना लाजमी है लेकिन मैं बतौर कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हूं। उन्होंने कहा, मैंने उनके भारत के कप्तान के तौर पर और आईपीएल मैच देखे हैं। वह जिस तरह मैदान पर फैसले लेते हैं, शांत रहते हैं और अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, उससे काफी कुछ सीखने को मिलता है। जब मुझे कप्तानी मिली थी तभी मैंने सोचा था कि धोनी की तरह बनना है। उनके इंटरव्यू भी देखे तो काफी कुछ सीखने को मिला। धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ली जबकि फातिमा ने छह मई 2019 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।महिला वनडे विश्व कप में पाकिस्तान पांच बार (1997, 2009, 2013, 2017 और 2022 में) खेला है लेकिन 1997, 2013 और 2017 में एक भी मैच नहीं जीत सकी। पिछली बार 2022 में एकमात्र जीत हैमिल्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली लेकिन बाकी सारे मैच हारकर टीम आखिरी स्थान पर रही थी।

पाकिस्तान के लिए 34 वनडे में 397 रन बनाने और 45 विकेट लेने वाली हरफनमौला फातिमा को यकीन है कि इस बार यह मिथक टूटेगा क्योंकि युवा खिलाड़ियों को पता है कि उनके प्रदर्शन से देश में महिला क्रिकेट का मुस्तकबिल तय होगा। उन्होंने कहा, इस बार यकीनन यह मिथक टूटेगा क्योंकि युवा खिलाड़ियों को पता है कि पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिए यह टूर्नामेंट कितना अहम है।

# दुलकर सलमान के प्रोडक्शन हाउस ने आलोचना के बाद 'लोका' का संवाद बदलने की बात कही

नई दिल्ली/भाषा। मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1: चंद्रा' के निर्माताओं ने खेद प्रकट किया है और वादा किया है कि वे उस संवाद को हटा देंगे जिससे 'कर्नाटक के लोगों की भावनाओं को अनजाने में ठेस पहुंची है'। कल्याणी प्रियदर्शन, सैंडी और नसलेन अभिनीत इस फिल्म का निर्देशन डोमिनिक अरुण ने किया है और यह 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। दुलकर सलमान ने अपने प्रोडक्शन बैनर वेफेयरर फिल्म्स के तहत इसका निर्माण किया है।

इस फिल्म के एक दृश्य की आलोचना हो रही है जिसमें सैंडी का निभाया किरदार इंस्पेक्टर नचियप्पा गौड़ा बेंगलूरु की लड़कियों को अपमानजनक तरीके से संबोधित करता है। सलमान के बैनर ने मंगलवार शाम अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर माफी मांगते हुए कहा कि टीम संवाद में बदलाव करेगी। उसने कहा, हमारे संज्ञान में आया है कि हमारी फिल्म 'लोका: चैप्टर वन' के एक किरदार द्वारा बोले गए संवाद ने अनजाने में कर्नाटक के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। वेफेयरर फिल्म्स में, हम लोगों को हर चीज से ऊपर रखते हैं। बयान में कहा गया है, हमें इस चूक पर गहरा खेद है और हम आपको विश्वास दिलाना चाहते हैं कि किसी भी तरह की ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

# गायक राहुल देशपांडे ने पत्नी नेहा से अलग होने की जानकारी दी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायक राहुल देशपांडे ने बताया कि वह और उनकी पत्नी नेहा ने 17 साल के वैवाहिक जीवन के बाद अलग होने का फैसला किया है।

देशपांडे ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर बताया कि दोनों का कानूनी रूप से अलगाव सितंबर 2024 में हुआ। उन्होंने लिखा, प्रिय मित्रों, आप सभी अपने-अपने तरीके से मेरी यात्रा का एक सार्थक हिस्सा रहे हैं और इसलिए मैं आपके साथ एक निजी और महत्वपूर्ण जानकारी साझा करना चाहता हूं। मैंने आपमें से कुछ लोगों के साथ यह जानकारी पहले ही साझा की है। शादी के 17 साल और अनगिनत यादगार लम्हों के बाद नेहा और मैंने आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लिया है। हमारा कानूनी अलगाव आपसी सहमति से सितंबर 2024 में हुआ।गायक ने बताया कि वह और उनकी पत्नी अपनी बेटी रेनुका देशपांडे की परवरिश साथ मिलकर करेंगे। उन्होंने कहा, मैंने यह जानकारी साझा करने से पहले कुछ समय लिया ताकि इस बदलाव को निजी रूप से समझ सकूं और यह सुनिश्चित कर सकूं कि हर चीज सोच-समझकर संभाली जाए, खासकर हमारी बेटी रेनुका के हित को ध्यान में रखा जाए। रेनुका मेरी प्राथमिकता है और मैं नेहा के साथ मिलकर उसे प्यार, आपसी सहयोग से पालने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

देशपांडे ने प्रशंसकों और परिचितों से इस निर्णय को समझने और उनकी निजता का सम्मान करने का अनुरोध किया।

राहुल देशपांडे को वर्ष 2022 में फिल्म 'मी वसंतराव' के लिए सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। वह 'दिल की तपिश, अपने ही रंग में' और 'हा रंग चढ़ू दे' जैसे गीतों के लिए भी जाने जाते हैं।

# कृति सेनन बनीं यूएनएफपीए की ब्रांड एंबेसडर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। वो संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की ब्रांड एंबेसडर बनाई गई हैं। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की एक संस्था है जिसका कार्य महिला, पुरुष और बच्चों के अधिकार, स्वास्थ्य और समान अवसर के साथ सुखी जीवन को बढ़ावा देना है। ब्रांड एंबेसडर बनने के बाद उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बात की और बताया कि कैसे अपने करियर की शुरुआत में उन्हें लैंगिक असमानता का सामना करना पड़ा। कृति सेनन ने बॉलीवुड में वेतन असमानता के बारे में भी बात की। सेनन ने आईएएनएस से कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। ये बहुत बड़ा सम्मान है और उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी। मैं इसके लिए बहुत उत्सुक हूं, क्योंकि मुझे हमेशा से ये लगता था कि मैं कुछ ऐसा बदलाव ला सकूं जो मेरे दिल के करीब हो। मेरा मानना है कि लैंगिक असमानता बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। ये बहुत बड़ा मुद्दा है, फिर चाहे बात जेंडर बेस्ड वायलेंस की हो या गर्ल चाइल्ड एजुकेशन की हो। मुझे खुशी है कि मैं यूएनएफपीए के साथ मिलकर ऐसे लोगों के लिए अब कुछ कर पाऊंगी, उनका साथ दे पाऊंगी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने देश का वैश्विक स्तर पर प्रतिनिधित्व करना चाहती थी, अपनी आवाज के जरिए ऐसे मुद्दों को उठाना चाहती थी, जिससे लोगों के जीवन खुशहाल बन सकें। अगर अपने आप पर काम करेंगे तो वो भी सफलता पा सकते हैं।

उन्होंने लैंगिक असमानता के बारे में भी बात की और कहा, छोटे-छोटे लेवल पर हम सभी इनसे दो-चार होते हैं। जैसे हमारी आवाज उतनी नहीं सुनी जाती जितनी मेल एक्टर्स की बात सुनी जाती है। जब कोई लड़की सवाल करती है तो उन्हें कम सुना जाता है, जबकि कोई मेल एक्टर ऐसा करता है तो उसे कहा जाता है कि देखो ये कितना जानकार है। ये बदलना चाहिए। साथ ही फिल्म इंडस्ट्री में वेतन असमानता भी एक मुद्दा है। उन्होंने यूथ को संदेश देते हुए कहा, आप अपना मूल्य पहचानो। सभी लड़के-लड़कियों को अपने लिए खड़ा होना चाहिए। आपके साथ कोई दोयम दर्जे का व्यवहार न करे, इस बात का ध्यान रखें। अगर अपने आप पर काम करेंगे तो वो भी सफलता पा सकते हैं।

# दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर वेनिस फिल्म फेस्टिवल में हुआ लॉन्च

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर रिलीज हो गया है। खास बात यह है कि इसे वेनिस फिल्म फेस्टिवल में लॉन्च किया गया। इस फिल्म से वे हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। 'हॉलीगार्ड्स' के टीजर में वे एक अलग दुनिया में योद्धाओं की तरह लड़ती दिखाई दे रही हैं। इसे देखकर ऐसा लगता है कि वे इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन करती दिखाई देंगी। फिल्म में दो कबीले मानव के भविष्य को बचाने के लिए लड़ते दिखाई देंगे। इसे ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता केविन स्पेसी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डब्रैंड जैसे कलाकार भी हैं। इंस्टाग्राम पर दिशा पाटनी ने कुछ समय पहले इस हॉलीवुड फिल्म में होने की बात कही थी। तब उन्होंने इसके सेट से एक तस्वीर भी फैंस के लिए साझा की थी।

रविवार को दिशा पटानी अपनी बेस्ट फ्रेंड मौनी रॉय के साथ घूमते हुए देखी गई थीं। दोनों अक्सर हैंगआउट करती रहती हैं। जब भी उन्हें समय मिलता है तो वे साथ में वक्त बिताती हैं। इसकी तस्वीरें भी वे सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। दिशा पटानी ने मौनी के साथ एक फोटो शेयर करते हुए लिखा था, बेस्ट फ्रेंड के साथ संडे को घूमना तो बनता है। इस फिल्म के अलावा दिशा के पास 'वेलकम 3' भी है, जिसमें बहुत सारे स्टार्स होंगे। इसके साथ ही वे प्रभास की फिल्म 'कल्कि' के पार्ट 2 में भी दिखाई देंगी। वहीं कुछ समय पहले पता चला था कि दिशा पटानी, विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म में शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी।

कहा जा रहा है कि फिल्म में दिशा का स्पेशल कैमियो होगा। यह पहली बार होगा जब दिशा पाटनी और शाहिद कपूर पहली बार साथ दिखाई देंगे। इस जोड़ी को साथ देखने के लिए फैंस पहले से ही उत्साहित हैं। शाहिद कपूर ने एक लंबी पोस्ट में इस फिल्म की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी थी। इसके लिए उन्होंने पूरी कास्ट को धन्यवाद कहा था। साथ ही, एक्टर ने विशाल भारद्वाज को भी फिल्म में कास्ट करने के लिए आभार व्यक्त किया था।

घोषणा

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद सदस्य के. कविता ने पार्टी से निलंबित होने के एक दिन बाद बुधवार को हैदराबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और विधान परिषद सदस्य पद से अपने इस्तीफे की घोषणा की।

# फिल्म 'मन्नू क्या करेगा'? के चार्टबस्टर गीत 'हमनवा' पर 8000 छात्रों ने साथ में डांस कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

नवोदित कलाकारों व्योम और साची बिंद्रा से सजी क्यूरियस आईज़ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म मन्नू क्या करेगा?, को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। विशेष रूप से फिल्म के ट्रेलर को न सिर्फ दर्शकों से जबरदस्त प्यार मिला है, बल्कि इसके म्यूज़िक एल्बम ने भी अपना जादू बिखेर दिया है। इनमें 'हमनवा', 'सैयां', 'फ़ना हुआ', 'तेरी यादें', 'गुलफ़ाम' और 'हल्की हल्की बारिश', इन सभी गीतों ने श्रोताओं के दिलों में अपनी ख़ास जगह बना ली है। हाल ही में यह उत्साह एक नए शिखर पर पहुँच गया, जब 8000 कॉलेज छात्रों ने फिल्म के लोकप्रिय गाने 'हमनवा' पर थिरकते हुए फिल्म को अपना प्यार और समर्थन दिया। मजे की बात यह है कि छात्रों की इस विशाल भीड़ ने मिलकर डांस करते हुए एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया है, जो किसी भी फिल्म के लिए अब तक सबसे ज़्यादा छात्रों द्वारा एक साथ किया गया परफॉर्मंस है। यह असाधारण उपलब्धि इस बात को रेखांकित करती है कि फिल्म दर्शकों के बीच कितना गहरा जुड़ाव और अपार लोकप्रियता हासिल कर चुकी है।

इस अवसर पर दिग्गज संगीतकार ललित पंडित ने कहा, 8000 कॉलेज छात्रों को 'हमनवा' पर एक साथ थिरकते हुए देखना वाकई अविश्वसनीय है। संगीत की कोई सीमाएँ नहीं होतीं और यह पल साबित करता है कि हमारी धुनें युवाओं से कितनी गहराई से जुड़ गई हैं। यह हमारे लिए गर्व और भावनात्मक पल है, और हमें खुशी है कि हमारा संगीत वह जादू रच रहा है जिसकी हमने हमेशा चाहत की थी। फिल्म के निर्माता शरद मेहरा ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यह प्रतिक्रिया वाकई ऐतिहासिक है। 8000 छात्रों का इस तरह एकत्र होकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना फिल्म की पहुँच और लोकप्रियता का प्रमाण है। हमें बेहद खुशी है कि मन्नू क्या करेगा? युवाओं के दिलों को छू रही है और इसका संगीत दर्शकों के बीच सही तार छेड़ रहा है। फिल्म में व्योम और साची बिंद्रा के अलावा विनय पाठक, कुमुद मिश्रा, राजेश कुमार और चारू शंकर भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। यह फिल्म 2025 में भारत के रोमांटिक म्यूज़िकल जॉनर को एक नई परिभाषा देने जा रही है। ताज़े चेहरों, दिल को छू लेने वाली भावनाओं और संगीत को अपनी आत्मा मानकर बनी यह फिल्म 2025 की सबसे संगीतमय और भावनात्मक सिनेमाई अनुभवों में से एक साबित होने वाली है।फिल्म का जादू बड़े पर्दे पर देखने के लिए तैयार हो जाइए, जब मन्नू क्या करेगा? 12 सितंबर 2025 को पूरे भारत में रिलीज़ होगी।

# उत्तर भारत में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए करीना कपूर ने लोगों से की अपील

मुंबई/एजेन्सी

उत्तर भारत में नदियां उफान पर हैं और बाढ़ ने खूब तबाही मचा रखी है। इस बीच बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने उत्तर भारत के बाढ़ पीड़ितों के लिए चिंता व्यक्त की है। साथ ही लोगों से उनकी मदद करने का अनुरोध किया है। मंगलवार को करीना कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दो पोस्ट साझा की हैं। इसमें अभिनेत्री ने लिखा, मेरी प्रार्थनाएं उत्तर भारत में बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। ईश्वर आपको जल्द से जल्द राहत और शक्ति प्रदान करें। बाढ़ ने कई लोगों की जान ले ली है, घर उजड़ गए हैं और आजीविका छिन गई है। इसलिए मैं सक्षम लोगों से अपील करती हूं कि राहत कोष में जितना हो सके दान करें और हो सके तो जो लोग कर सकते हैं, कृपया विश्वसनीय राहत कोषों का समर्थन करें और मदद करने में जुटे स्थानीय लोगों का हाथ बटाएं।

'सिंघम अगेन' एक्ट्रेस ने अगली पोस्ट में हेल्पलाइन नंबर्स की एक लिस्ट भी शेयर की है। गौरतलब है कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ ने अपना कहर बरपा रखा है। इसके चलते हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं।

इससे पहले सोमवार को बॉलीवुड स्टार सोनू सूद भी मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए। एक्टर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं पंजाब के साथ हूं। इस विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं है। हम सब मिलकर हर एक व्यक्ति को फिर से अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद करेंगे। अगर आपको किसी भी तरह की मदद की जरूरत है तो कृपया बेझिझक संदेश भेजें। हम आपकी हरसंभव मदद करने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब मेरी आत्मा है। चाहे सब कुछ चला जाए, मैं पीछे नहीं हटूंगा। हम पंजाबी हैं और हम हार नहीं मानते। बता दें कि पंजाब में बाढ़ का सबसे ज्यादा कहर देखने को मिल रहा है। अमृतसर में 35 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, फिरोजपुर में 24 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ की चपेट में हैं। फाजिल्का, होशियारपुर, पठानकोट, गुरदासपुर, कपूरथला, जालंधर, बरनाला और मोगा में भी बाढ़ का प्रभाव देखने को मिला है। राज्य से अब तक करीब 15 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

# किरण राव, बीजू टोप्पो बने अरण्य सहाय की 'ह्यूमन्स इन द लूप' के कार्यकारी निर्माता

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म निर्देशक किरण राव और बीजू टोप्पो ने निर्देशक अरण्य सहाय की पुरस्कार विजेता फिल्म 'ह्यूमन्स इन द लूप' के कार्यकारी निर्माता की जिम्मेदारी संभाल ली है। यह सहाय की पहली फीचर फिल्म है, जो एक आदिवासी महिला की कहानी है। यह महिला कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए 'डेटा लेबलिंग' के रूप में काम करती है। राव ने एक बयान में कहा, मुझे 'ह्यूमन्स इन द लूप' पहली बार देखने से ही बहुत पसंद आ गई। यह बेहद मार्मिक और सोचने पर मजबूर कर देने वाली फिल्म है। इस फिल्म का समर्थन करना जरूरी लगा।

राव की फिल्म 'लापता लेडीज़' 2024 के अकादमी पुरस्कारों में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि रही थी। आदिवासी सिनेमा के प्रणेता टोप्पो ने स्वदेशी समुदायों के संघर्षों और संकटों से जूझने की उनकी जीजिविषा को दर्शाने के लिए अपने दशकों के अनुभव का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि 'ह्यूमन्स इन द लूप' सीधे तौर पर उन लोगों के जीवन को दर्शाती है जिन्हें वह व्यक्तिगत रूप से 'जानते और देखते' आए हैं।

टोप्पो ने कहा, बहुत लंबे समय से आदिवासियों का जीवन न सिर्फ इतिहास में बल्कि भविष्य की हमारी कल्पनाओं में भी अदृश्य रहा है। 'ह्यूमन्स इन द लूप' हमारे दृष्टिकोण को साहसपूर्वक व्यक्त करती है। इस फ़िल्म को शुरू से देखने के बाद, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि यह एक क्षेत्रीय और एक वैश्विक दोनों तरह की फिल्म है। स्टोरीकल्चर इंपैक्ट फैलोशिप और एसएयूवी फिल्म्स के साथ मिलकर मथिवानन राजेंद्रन, साराभी रविचंद्रन, शिल्पा कुमार और सहाय द्वारा निर्मित यह फिल्म झारखंड पर केंद्रित है और नेहमा नामक एक ओरांव आदिवासी महिला की कहानी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 04-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

बुधवार को स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में जगद्गुरु आचार्य हीरविजयसूरीश्वर की 429वीं पुण्यतिथि और जैनाचार्य पद्मसागरसूरीश्वर के 91वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में गुरु गुणगौरव समारोह में बोलते हुए आचार्य विमलसागरसूरी जी ने कहा कि मुगल सम्राट अकबर को प्रतिबोध देकर जगद्गुरु आचार्य हीरविजयसूरीश्वर जी ने जैन व हिन्दू प्रजा के हित में अनेक ऐतिहासिक कार्य करवाए थे।

# शरीर नहीं, अपनी इंद्रियों को करें हलका: संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने बुधवार को कहा कि क्रोध, मान, माया, लोभ को ही कषाय कहते हैं। जो अच्छा काम करने से रोकता है वही कषाय है। पांच इन्द्रियों को हलका व नियंत्रित जरूर करें, इनकी इच्छाओं को घटाए। इंद्रियों को नियंत्रित करने से पहले मनुष्य को अपने मन को नियंत्रित करना चाहिए। जब तक मन नियंत्रित नहीं होगा तब तक इंद्रियों पर नियंत्रण करना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं करने की वजह से ही कषाय करता जा रहा है। कषाय करने में मनुष्य की समस्या और दुविधा बढ़ती जाती है। जब दुख और कष्ट आता है तो मनुष्य भगवान और गुरु के चरणों में जाता है। लेकिन अगर अच्छे समय में कषाय से बचें और भगवान के चरणों में रहें तो दुख ही नहीं आएगा। इंद्रियां बहुत बलवान और शक्तिशाली होती हैं। आंख दो है लेकिन उसका काम एक है। कान दो है, उनका भी काम एक है। लेकिन इन पर अगर ध्यान नहीं दिया तो हर काम गड़बड़ कर देते हैं, इसलिए किसी के प्रति खराब नहीं बोलना चाहिए। सभी के प्रति अच्छे वचन ही बोलना चाहिए। वचन के हाथ, पांव नहीं होते हैं, लेकिन एक वचन औषधि और एक वचन घाव देता है, इसलिए आपको देखना है कि आप अपने वचनों से दूसरे को क्या दे रहे हैं। जहां भी बोलें सोच समझ कर ही बोलें। ऐसा करने से मनुष्य अपने कर्मों के बंध से बच सकेगा। त्रिशला महिला मंडल भारतीनगर की महिलाओं ने गुरु दर्शन किए। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

## शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बन्नरघट्टा नेशनल पार्क के सामने खाटू श्याम जी मंदिर के बिल्कुल पास, मुख्य सड़क पर बिमल लोहिया परिवार के शुद्ध शाकाहारी लोहिया'ज किचन रेस्टोरेंट का बुधवार को दक्षिण भारत राष्ट्रमत के समूह संपादक श्रीकांत पाराशर ने फीता खोलकर उद्घाटन किया। गौरतलब है कि पीजी संचालन क्षेत्र में बिमल लोहिया ने एक पहचान बनाई है और अब रेस्टोरेंट के माध्यम से भी जनता की सेवा करना चाहते हैं। इस अवसर पर उनके परिजन, मित्र आदि उपस्थित थे।

# अहिंसा के महान साधक थे आचार्य भिक्षु : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। 'जैन धर्म की आचार्य परम्परा में आचार्य भिक्षु का नाम एक क्रांतिकारी प्रभावक एवं सत्याग्रही आचार्य के रूप में प्रतिष्ठित है। उन्होंने साधना की पवित्रता, संघ की सुदृढ़ता, सामुदायिक व्यवस्था पर बहुत बल दिया।' यह विचार तेरापंथ भवन आरआर नगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी ने आचार्य भिक्षु के 223वें चरम महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु के सिद्धान्त आज भी प्रासंगिक हैं। हिंसा भाव, भाषा और क्रिया से जुड़ी है। किसी का मात्र प्राण वियोजन कर देना ही हिंसा नहीं, निषेधात्मक भावों को जीना भी हिंसा है। हिंसा में तलवार के लिए हाथ भले न भी उठे पर किसी को मारने का संकल्प भी मानस भूमि पर उतर गया तो वह व्यक्ति हिंसा का भागीदार बन जाएगा। व्यक्ति स्वयं अपराध न करे, पर अपराध में दिया गया सहयोग अपराध की स्वीकृति ही होगी। इसलिए कृत, कारित और अनुमोदित हिंसा भी हिंसा है। मन का संयम निषेधात्मक भावों का शोधन करेगा, भाषा का संयम वैचारिक संघर्षों को विराम देगा और क्रिया का संयम इच्छाओं और अपेक्षाओं के बीच संतुलन स्थापित करेगा। फ

साध्वी विनितयशाजी ने एक कविता के माध्यम से आचार्यश्री भिक्षु को अपनी श्रद्धा समर्पित करते हुए संचालन किया। साध्वी वर्धमानयशा जी ने आगमवाणी पर अपने विचार व्यक्त किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

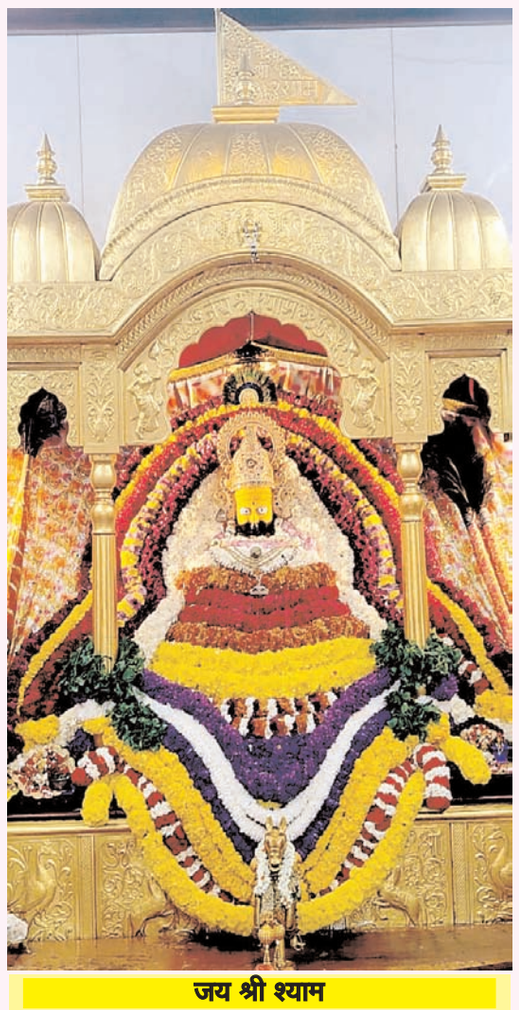

## जय श्री श्याम

बेंगलूरु के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर में बुधवार को भाद्रपक्ष परिवर्तनी एकादशी के मौके पर खाटू श्याम प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गया। शाम को भजन गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के दर्शन किए तथा शाम को आरती का लाभ लिया।

# मुगल काल में आचार्य हीरविजयसूरी ने समाज हित के अनेक बड़े काम किए : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। बुधवार को स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में जगद्गुरु आचार्य हीरविजयसूरीश्वर की 429वीं पुण्यतिथि और जैनाचार्य पद्मसागरसूरीश्वर के 91वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में गुरु गुणगौरव समारोह में बोलते हुए आचार्य विमलसागरसूरी जी ने कहा कि मुगल सम्राट अकबर को प्रतिबोध देकर जगद्गुरु आचार्य हीरविजयसूरीश्वर जी ने जैन व हिन्दू प्रजा के हित में अनेक ऐतिहासिक कार्य करवाए थे। हिन्दू बने रहने के लिए हिन्दू प्रजा से प्रतिवर्ष वसूला जाने वाला 14 करोड़ सोना मोहरों का जजिया टेक्स जैनाचार्य ने बादशाह को समझाकर माफ करवा दिया था। उन्होंने जैन व हिन्दू तीर्थों की सुरक्षा के लिए अकबर से पट्टे लिखवाकर ले लिए थे। यही कारण था कि उस काल में जैन व हिंदू समाज के अनेक तीर्थ सुरक्षित रह गए। भारतीय संस्कृति के विविध पर्वों-त्योहारों के अवसर पर अखंड भारत में करीब 6 माह तक जीवहिंसा प्रतिबंध का आदेश भी आचार्य हीरविजयसूरीश्वर ने अकबर से लागू करवाया था। समाज व धर्म की रक्षा और गौरव के लिए उन्होंने अपने बुद्धि-कौशल्य, ज्ञानप्रतिभा, साहस और साधना की शक्ति का बखूबी परचम लहराया था। परतंत्र भारत के इतिहास में जैनाचार्य की ये उपलब्धियां आत्मगौरव, धर्मगौरव और राष्ट्रगौरव का स्वर्णिम अध्याय है।

उन्होंने कहा कि मुगल दरबार के इतिहासकार अब्बुल फ़जल, जानेमाने अंग्रेज लेखक विंसेंट स्मिथ और पुर्तगाली पादरी पिंहेरो ने इन ऐतिहासिक तथ्यों के उल्लेख अपने ग्रंथों और डायरियों में किए हैं। अकबर के काल में समुद्री तटों पर ईसाई धर्मांतरण के लिए भारत आए पुर्तगाली पादरी पिंहेरो ने सितंबर 1585 में पुर्तगाल सरकार को लिखे पत्र में मुगल बादशाह अकबर पर जैनाचार्य के गहरे प्रभाव का उल्लेख किया है।

इतिहासकार रामास्वामी अंय्यगार लिखते हैं कि अकबर के दरबार के लेखक अब्बुल फ़जल ने जैनाचार्य हीरविजयसूरीश्वर के शिष्यों को लाहौर में भव्य महोत्सव कर उपाध्याय के पद से विभूषित किया था। अब्बुल फ़जल को उन्हीं ने भारतीय दर्शनों और भाषाओं का ज्ञान दिया था। अकबर के निवेदन पर आचार्य हीरविजयसूरीश्वर ने एक चातुर्मास आगरा में, दूसरा लाहौर में तथा तीसरा फतेहपुर-सीकरी में रहकर धर्म और मानवता के अनेक कार्य किए थे। सिरोही के दरबार राव सुरताण जैनाचार्य के परम भक्त थे। उन्हीं के निवेदन पर सिरोही के जैनसंघ ने भव्य महोत्सव पूर्वक हीरविजयसूरीश्वर को आचार्य पद से विभूषित किया था। जैनाचार्य के भावपूर्ण पत्र के कारण ही सिरोही रियासत के साथ अकबर का दत्ताणी-मुंथला के मैदान में होने जा रहा दूसरा युद्ध सदा के लिए बंद रहा था। महाराणा प्रताप ने प्रभावित होकर पत्र लिखकर जैनाचार्य हीरविजयसूरीश्वर को मेवाड़ आने की विनंती की थी। बेटे सलीम की गलत आदतों से परेशान अकबर ने उसे सुधारने के सिंचन के लिए जैनाचार्य के पास भेजा था। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि बुधवार को जैनाचार्यों की पुण्यतिथि और जन्मदिन के अवसर पर 325 बालकों, युवक-युवतियों और बुजुर्गों ने आयंबिल का तप किया। दोपहर को समभाव की साधना के लिए सामूहिक सामायिक का आयोजन हुआ।

# संघ, समाज की शान होते हैं बुजुर्ग : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि घर के बुजुर्ग घर, परिवार, संघ, समाज की शान होते हैं और अनुभव की खान होते हैं। उन्हें पूरा सम्मान मिलना चाहिए। जब तक वे हैं, तब तक उनका खूब आदर करना चाहिए। बुजुर्गों के पास अपार आत्म शक्ति होती है। प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी निपुणप्रभा जी ने कहा कि संयम ही जीवन है। स्वयं पर नियंत्रण संयम है। पांचों इंद्रियों पर अनुशासन जीवन है। मन को वश में रखना, स्वभाव में रमण करना, कषाय का शमन करना और मर्यादा में रहना ही संयम है। संयम में सभी समाधान हैं। संयम एक बांध के समान है जो आते हुए पाप मार्गो को अवरुद्ध कर देता है। विषय और विकार कचरा है। मन, वचन और काया की शुद्धि से इस कचरे को हटा सकते हैं। स्व प्रशंसा और पर निंदा से बचना भी संयम है। प्रवचन सभा में अनेक तपस्वियों का संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने सम्मान किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

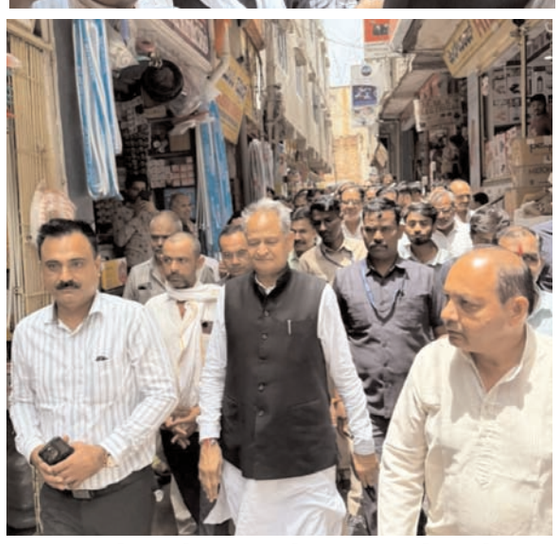

# कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने नगरथपेट स्टील मार्केट का दौरा किया

## गत दिनों हुए आग हादसा प्रभावितों से की मुलाकात

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु प्रवास पर आए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने बुधवार को नगरथपेट स्थित स्टील मार्केट का दौरा किया और हाल ही में क्षेत्र की एक बिल्डिंग में आग लगने से हुए हादसे से प्रभावित परिवारजनों से मुलाकात की तथा और मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। गहलोत ने आश्वासन दिया कि पीड़ितों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के लिए कर्नाटक सरकार और प्रशासन के स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। गहलोत ने कहा कि इस प्रकार की त्रासदी में प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत, आर्थिक सहायता एवं पुनर्वास दिलवाना अत्यंत आवश्यक है। दौरे के दौरान गहलोत ने आगजनी से प्रभावित दुकानों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया तथा प्रत्यक्षदर्शियों से बातचीत की। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को भी इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के सुझाव दिए। इस मौके पर उनके साथ बेंगलूरु सिटी कांग्रेस के महासचिव बिशनसिंह वीराना, कर्नाटक स्टेनलेस स्टील ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष कलाराम चौधरी, सचिव प्रेमसिंह सोढ़ा, कोषाध्यक्ष चुन्नीलाल सुथार सहित काफ़ी संख्या में राजस्थानी प्रवासी मौजूद थे।

# सामूहिक क्षमापना समारोह में तपस्वियों का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ का सामूहिक क्षमापना समारोह बुधवार को मेवाड़ भवन यशवंतपुर में आयोजित हुआ। संघ के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने सभी का स्वागत करते हुए तपस्वियों की तप की अनुमोदना की। युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, मंत्री मनीष टुकलिया, महिला अध्यक्षा स्नेहलता बाफना, महिला मंत्री अनिता बाबेल, कन्हैया लाल चिप्पड़, शांतिलाल बाबेल, प्रकाश बाबेल, ललित बाबेल, राकेश संचेती, अविनाश लोढ़ा आदि ने क्षमापना विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए क्षमायाचना की। इस मौके पर इस चातुर्मास काल में तपस्या करने वाले सभी तपस्वियों का संघ की ओर से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री पुखराज आंचलिया ने किया।

# साधक पुण्य का संचय करें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

## 18 दिवसीय पुण्य निधान तप साधना आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी ने उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से विवेचना करते हुए कहा कि व्यक्ति संसार में सुखी या दुखी अपने पूर्व उपार्जित कर्मो के कारण बनता है। जब तक आपके पुण्य का खजाना पास है तब तक आपके संसार में सब चीजें इष्ट, अनूकूल बनी रहती है, लेकिन पुण्य का खजाना खाली होते ही व्यक्ति के लिए संसार में सब चीजें बदल जाती हैं। फिर इंसान पुण्य के अभाव में दुख का अनुभव करता है। उन्होंने कहा कि जो वर्तमान में धर्म नहीं करके, अच्छे कार्य नहीं करते हुए भी जगत में सब प्रकार के सुख भोगता नजर आता है तो समझो यह उसके पूर्व के अच्छे कर्मों के कारण ही संभव हो पा रहा है। लेकिन वह अगर वर्तमान में सत्कर्म करते हुए पुण्य संचय नहीं करता है और सम्यक प्रकार से धर्म साधना आराधना, दान, सेवा परोपकार आदि के कार्य नहीं करते हैं तो फिर इंसान को अगले भव में नरक, तिर्यच में ही जाकर वहां के घोर दुखों को सहन करना पड़ता है। इसलिए भगवान महावीर की वाणी कहती है कि इस अनमोल मानव जीवन को सफल बनाने के लिए धर्म की आराधना और दान परोपकार आदि के कार्य करते हुए अपने जीवन में पुण्य का संचय करते रहना चाहिए जिससे आपका आगामी भव भी सुखी बन सकता है।

वरना इस संसार से बिना धर्म साधना किए केवल पाप की गठरी ही साथ में चलने वाली है। ङ्कउन्होंने संयमी साधक के लोच की प्रक्रिया बतलाते हुए कहा कि लोच करना यह भगवान महावीर की साधना विधि है और यह परिषह जयी यह आनंद की साधना है। मुनिश्री न गुरुवार से प्रारंभ हो रहे 18 दिवसीय पुण्य निधान तप अनुष्ठान साधना को पुण्य की वृद्धि और आत्मा की शुद्धि बतलाते हुए सभी श्रद्धालुओं से इस महामंगलकारी साधना प्रकल्प में भाग लेने का आह्वान किया। श्री शालिभद्र मुनि जी ने धर्म सभा में अठारह दिवसीय पुण्य निधान तप अनुष्ठान साधना की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी युवाओं को भी इस तप साधना में जुड़ने की बात कही। प्रारंभ में साध्वी डॉ मेघाश्री जी ने सत्संगति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सज्जन पुरुषों की संगत करने और दुर्जन लोगों से हमेशा दूर रहने की प्रेरणा की। संचालन समिति के महामंत्री महावीरचन्द मेहता ने किया।

# 'आदर्श एसपीरा 2025' का रंगारंग शुभारंभ

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श कॉलेज में बुधवार को वार्षिक महोत्सव 'आदर्श एसपीरा 2025' का शुभारंभ हुआ। महोत्सव के प्रथम दिवस में विविध सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रंगोली, मेहंदी, स्टेंड-अप कॉमेडी, ट्रेजर हंट, समूह नृत्य, प्रश्नोत्तरी, कंप्यूटर गेमिंग, एड क्रिएशन तथा पावरप्वाइंट प्रजेंटेशन जैसी कुल ग्यारह प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। साथ ही थ्रो बॉल, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, वॉलीबॉल और टग ऑफ वॉर जैसी खेल प्रतियोगिताएँ भी हुईं। इस महोत्सव में बेंगलुरु के विभिन्न महाविद्यालयों के एक हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में लकी ड्रा का आयोजन किया गया, जिसमें विजयी छात्रों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com